पाक्षिक

क्रांतिरथ छत्तीसगढ़

सामाजिक क्रांति के पथ पर अग्रसर

Postal Regn No.C.G./RYP DN/65/2023-25

◆ वर्ष - 20 ◆ अंक - 8 ◆ रायपुर 20 अक्टूबर 2023 ◆ पृष्ठ - 16 ◆ मूल्य-5/- रुपया

'जिसका शिलान्यास, उसका उद्घाटन भी करते हैं'- नमो

देश की पहली सबसे तेज और सस्ती ट्रेन 'नमो भारत' को पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी

यह ट्रेन 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से चल सकती है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की पहली रैपिड रेल 'नमो भारत' को शुक्रवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. यह ट्रेन साहिबाबाद से दुहाई के बीच 17 किलोमीटर का सफर तय करेगी. ट्रेन की टाइमिंग सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक रहेगी, जो अपने अंतराल पर चलती रहेगी।

आम यात्री इस ट्रेन में शनिवार से सफर कर सकेंगे. खास बात यह है कि यह देश की पहली सबसे तेज और सस्ती ट्रेन बताई जा रही है, जो अपने यात्रियों ने ना सिर्फ कम वक्त में गंतव्य तक पहुंचाएगी बल्कि इसके लिए किराया भी काफी कम होगा.

नमो भारत ट्रेन अपने आप में ही बेहद खास है. इसकी कई खासियतें इसे अलग बनाती हैं. यह ट्रेन 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से चल सकती है. पिछले दिनों जब इसका ट्रायल किया गया था तब ट्रेन की अधिकतम गति 146 किमी प्रति घंटा थी. इस हाई-स्पीड आरआरटीएस ट्रेन में झुकने वाली सीटें और बड़ी खिड़कियों के अलावा, हाई-टेक कोचों में डिजिटल स्क्रीन भी दी जाएगी, जो यात्रियों को किसी भी समय ट्रेन का रूट, स्पीड दिखाएगी.

नमो भारत ट्रेन बुलेट और मेट्रो ट्रेन जैसी दिखती है. इसके दरवाजे मेट्रो जैसी ही खुलते और बंद होते हैं. इसकी सीटें राजधानी ट्रेन जैसी लग्जरी सीटों की तरह बनाई गई हैं. अभी इसमें 6 कोच लगाए गए हैं, जिसमें एक महिलाओं के लिए आरक्षित होगा तो एक प्रीमियम कोच होगा. प्रीमियम कोच में रिक्लाइनिंग सीटें, कोट हुक, मैगजीन होल्डर और फुटरेस्ट जैसी सुविधाएं मिलेंगी.

इशारों ही इशारों में पीएम मोदी का विपक्षियों पर तंज

विपक्षी पार्टियों पर इशारों ही इशारों में तंज कसते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'हम जिस परियोजना का शिलान्यास करते हैं, उसका उद्घाटन भी हम ही करते हैं. इसका मेरठ वाला हिस्सा 1-1.5 साल के बाद पूरा होगा, उस समय भी मैं आपकी सेवा में मौजूद रहूंगा. अभी मुझे इस आधुनिक ट्रेन से यात्रा का भी अनुभव प्राप्त हुआ है.

नए भारत के नए सफर और नए संकल्पों को परिभाषित कर रही है

पीएम मोदी ने कहा, 'हमारे यहां नवरात्रि में शुभ कार्य की परंपरा है. देश की पहली नमो भारत ट्रेन को भी मां कात्यायनी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है. इस नई ट्रेन में ड्राइवर से लेकर सभी कर्मचारी महिलाएं हैं. ये भारत की नारीशक्ति के बढ़ते कदम का प्रतीक है. नमो भारत ट्रेन में आधुनिकता भी है, गति भी है. ये नमो भारत ट्रेन, नए भारत के नए सफर और नए संकल्पों को परिभाषित कर रही है. भारत का विकास, राज्यों के विकास से ही संभव है. आज बेंगलुरु में मेट्रो की 2 लाइनों को भी देश को समर्पित किया गया है. इससे बेंगलुरु के IT हब की कनेक्टिविटी और बेहतर हुई है. अब बेंगलुरु में रोज लगभग 8 लाख लोग मेट्रो से सफर कर रहे हैं.' बता दें कि 82 किमी लंबे दिल्ली-मेरठ-गाजियाबाज कॉरिडोर पर अभी 17 किमी के खंड दुहाई-साहिबाबाद के बीच ट्रेन दौड़ेगी।

राजनीतिक दल और कर्मचारी संगठनों की मांग:दूसरे चरण की वोटिंग की तारीख आगे बढ़े

सभी पत्रों को भारत निर्वाचन आयोग को भेजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण की वोटिंग 17 नवंबर को है, जिसे छठ की वजह से आगे बढ़ाने की राजनीतिक दलों और कर्मचारी संगठनों की मांग भारत निर्वाचन आयोग तक पहुंच गई है। छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने इस मांग से जुड़े सभी पत्रों को भारत निर्वाचन आयोग को भेज दिया है।सबसे पहले त्योहार के दिन मतदान होने के कारण बड़ी संख्या में लोगों के वोटिंग से वंचित होने का मुद्दा उठाया था। दरअसल छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण का मतदान 17 नवंबर को होना है और इसी छठ का पहला दिन यानी खरना होता है। इस दिन से छठ पूजा करने वाली महिलाएं व्रत शुरू करती हैं। 19 नवंबर को छठ पूजा के सूर्योदय के अर्घ्य के साथ महिलाएं अपना व्रत तोड़ती हैं। मांग उठा रहे राजनैतिक दलों और कर्मचारी संगठनों काकहना है कि 17 तारीख को ऐसी तीन-चार लाख महिलाओं का मतदान के लिए लाइन में लगना परेशानी का कारण होगा, जो व्रत शुरू करेंगी।

रायपुर ग्रामीण से विधायक के बेटे को टिकट दिए जाने पर रमन सिंह ने परिवारवाद का आरोप लगाया है

जय-वीरू की जोड़ी हो चुकी खंडित-डॉ रमन सिंह

रायपुर. कांग्रेस की टिकट घोषित होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने कांग्रेस पर निशाना साधा है. रमन सिंह ने कहा, टिकट जारी होने के बाद अंदर का विरोध खुलकर सामने आने लगे हैं, जिसकी चर्चा वर्षों से थी. नाराजगी, इस्तीफा, रूठना और मनाने का खेल चलता रहा. जय-वीरू की जोड़ी खंडित हो चुकी है.

जनघोषणा पत्र में अपने आपको अलग करने का निर्णय लिया. कांग्रेस ने विश्वास तोड़ा इसलिए टीएस बाबा समिति में नहीं रहने का फैसला लिया. टिकट वितरण के बाद ही नाम सामने आ रहे हैं. अलग-अलग व्यक्ति के नाम सामने आ रहे हैं। बृहस्पति सिंह की टिकट कटने के पर रमन सिंह बोले, इनमें टकराव पहले से है. जिस व्यक्ति ने हत्या का आरोप लगा दिया था, उसी का टिकट काटा।

बीजेपी के साथ टीएस सिंह की साठ गांठ वाले बृहस्पत सिंह के बयान पर पूर्व सीएम रमन सिंह ने कहा, अब बृहस्पत सिंह की जो प्रतिक्रिया आई है, उसका स्पष्ट कारण एक ही नजर आ रहा है. टिकिट कटने के लिए दोषी टीएस सिंहदेव को ही मान रहे हैं और उनके बीच टकराव आज से नहीं पहले से हैं. जिस व्यक्ति ने हत्या का आरोप लगा दिया था, उससे बड़ी और क्या बात हो सकती है. रायपुर ग्रामीण से

विधायक के बेटे को टिकट दिए जाने पर रमन सिंह ने परिवारवाद का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा, उनका परिवार, परिवार नहीं होता. हिंदुस्तान का सबसे बड़ा परिवारवाद है, सोनिया गांधी, राहुल गांधी के बाद प्रियंका उसके बाद उनका बच्चा राजनीति करेगा और शीर्ष पद पर रहेगा. परिवारवाद की राजनीति का जनक कांग्रेस है. ये सबसे बड़ा उदाहरण है. आगे रमन सिंह ने कहा, कांग्रेस के पास नामांकन के लिए कोई बड़ा फेस नहीं है. राहुल गांधी और सोनिया गांधी को बुला लें, इनके अलावा किसी नेता की गिनती होती नहीं. न इनकी पार्टी में कोई नेता है. अमित शाह के बयान पर रमन सिंह ने कहा, अमित शाह ने ये कई बार कहा है, भ्रष्टाचार में कीर्तिमान स्थापित कांग्रेस सरकार ने किया है. भ्रष्टाचार करने में कोई क्षेत्र नहीं छोड़ा. जो PSC, शराब, कोयला, चावल में पैसा खा सकता है। ऐसा भ्रष्टाचार पूरे राजनीति जीवन में और हिंदुस्तान में नहीं देखा. महादेव एप के तार भी सीधे जुड़े हुए हैं. 4 सीटों पर प्रत्याशी घोषित करने को लेकर रमन सिंह ने कहा, सीट डिक्लियर हो चुकी है निर्णय लेना बाकी है. बस्तर में कांग्रेस की सभा पर रमन सिंह ने कटाक्ष करते हुए कहा, अब बस्तर तो खिसक चुका है। सीएम जाएं या ना जाएं पता नहीं चलता। जनता का रुझान आचार संहिता लगने के बाद खुलकर सामने आ गया है. उत्साह के साथ नामांकन हो रहा है। कांग्रेस की सभा में आधी कुर्सियां खाली हो गई. भाजपा युद्धस्तर पर एक-एक विस को आइडेंटिफाई कर रही है. बस्तर की 12 और राजनांदगांव की 8 सीटों पर 20 केंद्रीय नेतृत्व ने निगाहें बना रखी है. अगले चरण में बाकी सीटों पर भी भाजपा के वरिष्ठ लोग आएंगे और वातारण का जो निर्माण हुआ है उसे आगे बढ़ाएंगे.

बीआरसीसी भवन में दिव्यांग बच्चों की कार्यशाला संपन्न

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। समग्र शिक्षा अभियान के तहत दिव्यांग बच्चों को स्कूल भेजने के प्रति जागरूक करने के उददेश्य से विकासखंड स्त्रोत केन्द्र समग्र शिक्षा भाटापारा मे एक दिवसीय प्रशिक्षण दो चरणों मे संपन्न हुआ इस प्रशिक्षण मे लगभग 200 से अधिक शिक्षक एवं पालकों ने भाग लिया। उक्त अवसर बीआरसी लेखराम साहू ने कहा कि बच्चों को नियमित रूप से शाला भेजना चाहिये वहीं राकेश साहू ने अल्पदृष्टि बाधित व दृष्टि बाधित छात्र-छात्राओं को शासन द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे सुविधाओं के बारे मे जानकारी दी।

उक्त कार्यक्रम मे मास्टर ट्रेनर्स अर्चना यादव, प्रीति देशमुख, विरेन्द्र मानसरोवर, हेमंत वर्मा व श्वेता वर्मा एकावली सेन के द्वारा 21 प्रकार की दिव्यांगता की पहचान को कैसे पहचाने तथा चिकित्सकों द्वारा प्रमाण पत्र कैसे प्रदान किया जाता है के संबंध मे जानकारी दी। उपरोक्त अवसर पर बीईओ रामजी पाल, एबीईओ भास्करचंद देवांगन, मुन्ना लाल नेताम, मुकेश अग्रवाल, समस्त संकुल समन्वयक एवं उमेशकांत मरकाम, अशोक कुमार, लालाराम, उमेश कुमार, दीपक कुमार सहित अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित थे।

विभिन्न पुलिस कर्मियों के तबादले हुये

भाटापारा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दीपक झा ने एक बार फिर विभिन्न पुलिस कर्मियों के स्थानांतरण किये है जिसमे रक्षित केन्द्र बलौदाबाजार मे पदस्थ दीनदयाल ध्रुव एवं पूरन लाल जाफ्रे को यातायात भाटापारा मे पदस्थ किया गया है वहीं ग्रामीण थाना भाटापारा मे पदस्थ भारत सिंग पैकरा को कसडोल थाना स्थानांतरित किया गया है, शहर थाना मे पदस्थ अशोक ध्रुव को सिमगा थाना मे तबादले पर भेजा गया है, इसी प्रकार संतोष पैकरा को ग्रामीण थाना से शहर थाना

स्थानांतरित किया गया है तथा सत्यदेव बंजारे को बया पुलिस चौकी से भाटापारा ग्रामीण थाना स्थानांतरित किया गया है एवं रविशंकर ध्रुव को सुहेला थाना से शहर थाना तबादले पर भेजा गया है इसी क्रम मे अनिक केंवट व प्रदीप सप्रे जो कि रक्षित केन्द्र बलौदाबाजार मे पदस्थ थे उन्हे यातायात शाखा भाटापारा भेजा गया है व परमेश्वर पाटले को यातायात शाखा भाटापारा पदस्थ किया गया है, समीर पाठक को करहीबाजार पुलिस चौकी से ग्रामीण थाना पदस्थ किया गया है।

सेन समाज के सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया सतीश ने

भाटापारा। निगम मंडल सदस्य सतीश अग्रवाल ने नगरीय निकाय मंत्री शिवकुमार डहरिया से मिलकर भाटापारा सेन समाज की बहुप्रतिक्षित मांग सामुदायिक भवन निर्माण के लिये राशि स्वीकृत करने का आग्रह किया था जिसे मंत्री ने स्वीकृति प्रदान करते हुये 15 लाख रूपये की राशि दी है। उक्त राशि से निर्मित होने वाले सेन समाज के सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन लाल बहादूर शास्त्री वार्ड पटपर मे निगम

मंडल सदस्य सतीश अग्रवाल के कर कमलो से संपन्न हुआ। उक्त अवसर पर अलोक मिश्रा, मुकेश साहू, भुवन सिंह ठाकुर, राजेन्द्र वर्मा, समीर ध्रुव, विक्की ठाकुर, विकास शर्मा, मनीष पंजवानी, सुरेश भारद्वाज, मोहन सेन, धन्नू सेन, चोवा सेन, बच्चन सेन, देवा सेन, परस सेन, संतोष सेन, योगेन्द्र सेन, कन्हैया सेन, रामगुलाल सेन, सुशील डोमार सेन, मानाराम सेन, पुनीत राम सेन, खुबी सेन, माखन सेन, करन सेन, तेजराम सेन, रामानुज, राजू सेन, बाला सेन व कन्हैया वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल में लेवई का उत्कृष्ट प्रदर्शन

भाटापारा। राज्य स्तरीय छत्तीसगढिया ओलंपिक मे ग्राम लेवई के खिलाड़ियों ने संखली खेल मे प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उक्त टीम मे किरण लक्ष्री, अंजलि, लक्ष्मी साहू, ज्योति, मीना व निशा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उक्त खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर नरेन्द्र यादव, हरबंश निषाद, आलोक गुप्ता, सोनचंद ध्रुव, निर्मल जांगडे, जीवन पाटले, जीवराखन, राकेश, राजेश, कमलेश, गजेन्द्र, खिलेश्वर, हेमू यादव, नरेन्द्र, दीनू, अनिता, मधु, चमन, निलेश, दिलेश्वर व शरद पंसारी सहित अनेक लोगों ने बधाई दी है।

सुशील शर्मा ने सीसी रोड व किसान कुटीर निर्माण का भूमिपूजन किया

भाटापारा। मंडी अध्यक्ष सुशील शर्मा ने ग्रामीण क्षेत्रो का दौरा करते हुये विभिन्न गांव मे विकास कार्यो का भूमिपूजन किया। इस बीच उन्होने बताया कि नये मंडी के निर्माण के लिये शीघ्र हीं मंडी बोर्ड रायपुर द्वारा 56 करोड़ रूपये की स्वीकृत राशि का टेंडर जारी होगा। इस बीच शर्मा ने ग्राम तरेंगा मे मुख्य मार्ग से धान खरीदी केन्द्र तक 16 लाख रूपये की लागत से बनने वाली सीसी रोड़ का भूमिपूजन किया। इसी तरह उन्होने ग्राम टिकुलिया मे 13.50 लाख रूपये की लागत से किसान कुटीर, अकलतरा मे 13.50 किसान कुटीर, ग्राम बैकोनी सिमगा मे 13.50 की किसान कुटीर का भी भूमिपूजन किया। उपरोक्त कार्यक्रम मे उनके साथ मंडी सदस्य अश्वनी बारले सहित बडी संख्या मे कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

आवास न्याय योजना वरदान साबित होगी - राधेश्याम शर्मा

भाटापारा। प्रदेश सरकार द्वारा प्रारंभ की गई ग्रामीण आवास न्याय योजना का स्वागत करते हुये समाज सेवी राधेश्याम शर्मा ने कहा कि यह योजना गरीब जनता के लिये वरदान साबित होगी। प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रतीक्षारत आवासहीनो को आवास उपलब्ध कराने के लिये प्रथम किस्त के रूप मे बिलासपुर की सभा मे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हाथो बटन दबाकर प्रथम किस्त के रूप मे हितग्राहियों को 25 हजार रूपये हस्तांतरित कर इस योजना का शुभारंभ किया। राधेश्याम शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ मे भूपेश बघेल की सरकार अनेक जनकल्याणकारी योजना चला रहीं है जिसका लाभ यहां की जनता को मिल रहा है और जनता के हित मे काम किया जा रहा है।

पर्यावरण- अंतरिक्ष तक फैलता प्रदूषण, भावी पीढ़ियों की खातिर जरूरी है कचरे की सफाई

आज के तीव्र प्रौद्योगिकी विकास और अंतरिक्ष अन्वेषण के युग में विश्व ने बाह्य अंतरिक्ष के अन्वेषण में महत्वपूर्ण प्रगति की है। लेकिन, इसके साथ-साथ अंतरिक्ष के प्रदूषण की समस्या भी दबे पांव आ रही है, जिसकी काली छाया पहले से ही प्रदूषण से कलुषित पृथ्वी पर भविष्य में पड़ने वाली है। परिचालन उपग्रहों का रिकॉर्ड रखने वाले यूनियन ऑफ कंसर्न्ड साइंटिस्ट्स (यूपीएस) के अनुसार, एक जनवरी, 2021 तक साढ़े छह हजार उपग्रह पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे थे, जिनमें से करीब साढ़े तीन हजार सक्रिय और इतने ही निष्क्रिय थे। यूएन ऑफिस फॉर आउटर स्पेस अफेअर्स (यूएनओओएसए) के अनुसार, जनवरी, 2022 तक 8,261 उपग्रह पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे थे, जिनमें केवल 4,852 सक्रिय हैं। पृथ्वी की निचली कक्षा में कम से कम 12 करोड़ टुकड़े तैर रहे हैं।

लंदन के प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय के अनुसार, उनमें से करीब 34 हजार टुकड़े आकार में 10 सेमी से ज्यादा बड़े हैं। हमने चंद्रमा को भी नहीं छोड़ा है, जहां हमने कई वस्तुओं को स्मृति चिह्न या टाइम कैप्सूल के रूप में रखा है। चंद्रमा पर वर्तमान में शिव शक्ति पॉइंट पर भारत के क्रियाशील गौरव प्रतीक विक्रम लैंडर और प्रज्ञान के अतिरिक्त और भी बहुत कुछ है,

जो अब मलबा बन गया है, जैसे अपोलो 15, 16 और 17 की तीन मून बग्गियां, 54 मानव-रहित यान, जो चंद्र सतह पर दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे, चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा छोड़ा गया 19 हजार किग्रा पदार्थ, सोवियत संघ का लूना-2, अमेरिका का रेंजर-4, जापान का हितेन इत्यादि। हालांकि, टकराव अंतरिक्ष मलबे का एकमात्र कारण नहीं है।

पृथ्वी की निचली कक्षा में तीव्र पराबैंगनी विकिरण के लंबे समय तक संपर्क में रहने से उपग्रह भी टूट सकते हैं। इससे पृथ्वी की निचली कक्षा में उपग्रहों की संख्या से टकराव की एक अनियंत्रित शृंखला बन सकती है, जो चारों ओर अंतरिक्ष मलबे को इस सीमा तक बिखेर देगी, कि हम नए रॉकेट लॉन्च करने में असमर्थ होंगे। इस आशंका को केसलर सिंड्रोम के रूप में जाना जाता है और कई खगोलविदों को डर है कि यदि हम अंतरिक्ष मलबे को नियंत्रण में नहीं रख सके, तो यह मानवता को बहुग्रहीय प्रजाति बनने से रोक सकता है।

पृथ्वी की कुछ सौ किलोमीटर की निचली कक्षाओं में कुछ वस्तुएं शीघ्रता से वापस लौट सकती हैं। कुछ वर्षों के बाद वे वायुमंडल में फिर से प्रवेश करती हैं। लेकिन 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई पर छोड़ा गया उपग्रह और उसका बना मलबा सैकड़ों या हजारों वर्षों तक पृथ्वी की परिक्रमा करते रह सकते हैं। यह दुर्लभ है, लेकिन अमेरिका, चीन और भारत सहित कई देशों ने स्वयं के उपग्रहों को उड़ाने का अभ्यास करने के लिए मिसाइलों का उपयोग किया है, जिससे पैदा होने वाले प्रदूषण की कल्पना ही की जा सकती है।

सौभाग्य से अभी तक अंतरिक्ष प्रदूषण ने हमारे अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रमों में कोई बड़ा जोखिम पैदा नहीं किया है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अंतरिक्ष पर्यटन की होड़-सी लग गई है। रॉकेट द्वारा उत्सर्जित कण कालिख के अन्य सभी स्रोतों की तुलना में वातावरण में गर्मी बनाए रखने में लगभग पांच सौ गुना अधिक सक्षम होते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन होना स्वाभाविक है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि सभी कंपनियां अपने मिशन की समाप्ति के बाद 25 वर्षों के भीतर अपने उपग्रहों को कक्षा से हटा लें। इस आदेश को लागू करना कठिन है, क्योंकि उपग्रह विफल हो सकते हैं, और प्राय: होते भी हैं। इस समस्या से निपटने के लिए कंपनियां नए समाधान लेकर आई हैं। इनमें मृत उपग्रहों को कक्षा से हटाना और उन्हें वापस वायुमंडल में खींचना होता है, जहां जाकर ये जल जाएंगे। हालांकि, अंतरिक्ष कबाड़ को पृथ्वी की कक्षा से बाहर करने की ये तकनीकें पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले बड़े आकार के मृत उपग्रहों के लिए उपयुक्त हैं, छोटे टुकड़ों के लिए नहीं।

स्पेसएक्स व अमेजन जैसी कई कंपनियां उपग्रहों के विशाल नए समूहों की योजना बना रही हैं, जिन्हें मेगा तारामंडल कहा जाता है, जो पृथ्वी पर इंटरनेट प्रसारित करेंगे। ये कंपनियां वैश्विक उपग्रह इंटरनेट कवरेज प्राप्त करने के लिए हजारों उपग्रह लॉन्च करने की योजना बना रही हैं। पृथ्वी व बाह्य अंतरिक्ष का अध्ययन जरूरी है, लेकिन पृथ्वी की कक्षा से अनुपयोगी हो चुका मलबा साफ करना भी उतना ही जरूरी है, ताकि भावी पीढ़ियों के लिए अंतरिक्ष विज्ञान के लाभ सुनिश्चित हो सकें।

साभार अमर उजाला

दिल की बात कहने में सफल रही 'सुन रही हो न तुम'

कविता के संबंध में कहा जाता है कि यह कवि के हृदय से सहज ही बहकर निकलती है और जहाँ इसे पहुँचना चाहिए, वहाँ का रास्ता भी खुद ही बना लेती है। हृदय से हृदय का संवाद है- कविता। युवा कवि सुदर्शन व्यास के हृदय से भी कुछ कविताएं ऐसे ही अनायास बहकर निकली हैं, जिनका संग्रह 'सुन रही हो न तुमज' के रूप में हमारे सम्मुख है।

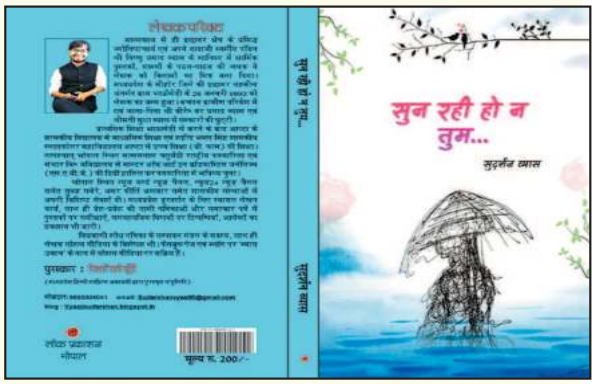

इस संग्रह की किसी भी कविता को आप उठा लीजिए, आपको अनुभूति हो जाएगी कि कवि के शब्दों में जो नमी है, कोमल अहसास है, जो आग्रह है, विश्वास है; वह सब अनायास है। उनकी भावनाओं में कुछ भी बनावटी नहीं है। एक भी पंक्ति प्रयत्नपूर्वक नहीं लिखी है। सभी शब्द, वाक्य, उपमाएं, संज्ञाएं कच्चे-पक्के युवा प्रेम की तरह अल्हड़ और बेफिक्र हैं।

काव्य संग्रह की प्रतिनिधि कविता 'सुन रही हो न तुम' को ही लीजिए, जिसमें प्रेमी बिछोह को एक सुखद अहसास देना चाहता है। वह आग्रहपूर्वक अपनी प्रेमिका से कह रहा है- "सुनो नज जिस हृदय ने तुम्हें प्रेम किया हो न, उसका कभी उपहास मत करना"। इसी कविता में अपने मनोभाव प्रेयसी के समक्ष समर्पित करने के बाद कवि कहता है- "जब कभी भी उससे अलग होना हो, अथाह स्नेह अपने मन में समेटकर होना"। कितना सुंदर भावपूर्ण निवेदन है। आज की पीढ़ी के लिए जरूरी सीख है यह कविता, जिनके लिए प्रेम और बिछोह 'हँसी का खेल' हो गया है। इसी प्रकार की सीख उनकी और कविताओं में भी दिखायी पड़ती है। इसी शीर्षक से एक और कविता में सुदर्शन कहते हैं- "सुनो न मैं प्रेम करता हूँ तुमसे और ऐसा नहीं है कि जो तुम नहीं मिलोगे तो मैं प्रेम करना छोड़ दूंगा "। यही है प्रेम की अभिव्यक्ति, जिसमें पाने की अपेक्षा और खोने का डर नहीं। बस प्रेम में होने का आनंद है।

कविताएं प्रेम पर केंद्रित हैं, निस्संदेह 'कहे-अनकहे प्रेम' को समर्पित भी हैं, लेकिन सामाजिक जीवन की दिशा का बोध भी उनमें दिखायी पड़ता है। उनकी कविताओं का प्रेम फिल्म 'कबीर सिंह' के नायक के प्रेम की तरह अमर्यादित नहीं है। उनकी कविता का प्रेम जीवन सिखाता है, ईश्वर की कृपा से प्राप्त जीवन को अंधकार में धकेलने के लिए प्रेरित नहीं करता। सबसे सुंदर बात, जो सुदर्शन की कविताओं में दिखायी पड़ती है, वह है- एक-दूसरे का सम्मान। इससे पहले भी सुदर्शन का एक काव्य संग्रह 'रिश्तों की बूंदें' प्रकाशित हो चुका है। उस संग्रह को भी साहित्य जगत से खूब सराहना मिली थी। उनकी कविताओं में आप रिश्तों की गर्माहट को सहज अनुभव कर सकते हो। 'सुन रही हो न तुमज' शीर्षक से ऐसा लगता है कि एक प्रेमी अपनी प्रेमिका को अपने मन की सुनाना चाहता है परंतु सत्य यह है कि कवि ने स्त्री के हृदय की विवशता, अपेक्षा और आग्रह की ओर समाज का ध्यान खींचने का प्रयास किया है। एक कविता के आते आर्तनाद को थोड़ा सुनने की मानसिकता से सुना जाए, तो वह हमारी मानसिकता के कुरूप चेहरे को दिखती है। वह कविता 'बड़े उम्र की कुंआरी लड़की' के प्रति हमारे नजरिए को बेपर्दा कर देती है। सुदर्शन की कविताएं हमें विवश करती हैं कि हम स्वयं को स्त्री के स्थान पर रखें और फिर दुनिया को देखें, प्रेम को देखें, खुद को भी देखें।

सुदर्शन की कविताओं से होकर जब हम गुजरते हैं तो आहिस्ता-आहिस्ता यह बात ध्यान आती चली जाती है कि उनकी कविताएं पहाड़ से निकली किसी नदी की तरह कुछ दूर तक सरपट भागती दिखती हैं लेकिन आगे उनके प्रवाह में धैर्य है और गंभीरता है। एक दार्शनिक की भाँति वे अपनी एक कविता में 'प्रेम की उम्र' बता रहे होते हैं- "प्रेम की उम्र इतनी होनी चाहिए कि जब गीली रेत पर, खींची लकीर की तरह, चेहरे पर झुर्रियां उभर आएं"। मेरे मत से यहाँ उनका यह कहने का अभिप्राय हो सकता है कि प्रेम के लिए परिपक्वता चाहिए। जब आपके पास वरिष्ठों-सा अनुभव हो, तब आप प्रेम कर सकते हैं। सही भी है, हम देखते भी है कि अपरिपक्व युवा जब प्रेम करते हैं, तब कई बार उसके कितने भयावह परिणाम हमारे सामने आते हैं। इसी कविता में एक बार फिर कवि अपनी प्रेयसी को कहता है कि हमारे प्रेम की उम्र आखिरी सफर तक होनी चाहिए। सुदर्शन की प्रेम कविताओं की इस पोटली में 'इंतजार' भी है, 'ख्याल प्रेम का' और 'अनकही ख्वाहिश' भी है। शब्द-शब्द ऐसा प्रतीत होता है कि कवि ने अपने इस संग्रह में खुलकर 'बात दिल की' की है। 'मन की बात' कही है। अपनी कविताओं से वे बार-बार 'प्रेम का संदेश' देने का जतन कर रहे हैं। कह रहे हैं कि 'जिन्दगी और तुम्हारा प्रेम' हमारा एक 'पवित्र रिश्ता' है। आखिर में कवि सुदर्शन 'बात उन दिनों की' कहते हुए हर किसी को उसके जीवन के प्रेम और उसके कोमल अहसास की 'यादें' याद दिला ही देते हैं। विश्वास है कि सुदर्शन का यह काव्य संग्रह पाठकों का प्रेम प्राप्त करेगा।

-लोकेन्द्र सिंह
समीक्षक, साहित्यकार

शिवरतन ने किया विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। क्षेत्रिय विधायक शिवरतन शर्मा ने क्षेत्र के ग्राम धोबनी, किरवई व कचलोन मे विभिन्न निर्माण कार्यो का भूमिपूजन व लोकार्पण किया। जिसमे ग्राम कचलोन मे पाल समाज के भवन, ग्राम किरवई मे पटेल समाज भवन निर्माण एवं सीसी रोड़ निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया इसके अलावा उन्होने ग्राम धोबनी मे निर्मित महामाया भवन एवं मानस भवन तथा ग्राम किरवई के सतनामी समाज रंग मंच उध्यन का लोकार्पण किया। उक्त अवसर पर उन्होने कहा कि छत्तीसगढ मे कांग्रेस की भूपेश सरकार ने गरीबो के आवास योजना को अवरूद्ध कर दिया है वहीं राज्य मे चहुंओर अव्यवस्था व अराजकता का माहौल है। उपरोक्त अवसर पर बडी संख्या मे ग्रामवासी उपस्थित थे।

प्राकृतिक आपदा में मौत के लिये संबंधित परिवार को सहायता राशि दी गई

भाटापारा। प्राकृतिक आपदा से मृत लोगों के निकट परिजनों के लिये आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। मृतक प्रत्येक व्यक्ति के लिये चार चार लाख रूपये की स्वीकृति कलेक्टर चंदन कुमार ने राजस्व पुस्तक परिपत्र की धारा 6-4 के तहत स्वीकृती प्रदान की हैं। उक्त संबंध मे प्राप्त जानकारी के अनुसार लाभान्वित हितग्राहियों में सोनमति बांगड़े यादव पति स्व. राजेश बांगड़े यादव पंडित दीनदयाल शांति नगर भाटापारा, ललिता ध्रुव पति स्व. चोलाराम ध्रुव ग्राम खपरी एस, दाउलाल यादव पिता भागीरथी यादव पौंसरी, जगतू यादव पिता स्व. तीरथ यादव दाउकृष्ण कुमार वार्ड भाटापारा व पुत्री बाई चक्रधारी पति स्व. रामप्रसाद चक्रधारी ग्राम करहीबाजार शामिल हैं। हितग्राहियों के निकट परिजनों के आग में जलने, आंधी तुफ्रन में दीवाल गिरने, कुंआ, तालाब, नहर, नाला, नदी के पानी मे डूबने से मौत हो गई थी। कलेक्टर ने भाटापारा तहसीलदार को आरटीजीएस के जरिये पीड़ित लोगों के खाते में राशि जमा करने के निर्देश जारी किये हैं।

गतका खेल में भाग लेने दिल्ली जा रहे खिलाड़ियों का छाबड़ा ने किया स्वागत

भाटापारा। राष्ट्रीय ओपन प्रतियोगिता गतका मे शामिल होने दिल्ली जा रहे खिलाड़ियों का स्थानीय रेल्वे स्टेशन परिसर मे समाज सेवी अरूण छाबड़ा ने स्वागत किया व खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुये उन्हे टी-शर्ट, टोपी एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर अमित तिवारी, आलोक गुप्ता, द्रोण ध्रुव, तरुण सेन व सुनील शर्मा उपस्थित थे। उक्त प्रतियोगिता मे भाग लेने दिल्ली जाने वाले खिलाड़ियों मे सर्वधाम मिरी, सत्यदामिनी मिरी व तामेश्वरी निषाद सहित अनेक लोग शामिल है। उपरोक्त खिलाड़ियों के प्रतियोगिता मे सफ्रल होने की शुभकामनायें जिला शिक्षा अधिकारी बी.एल. देवांगन, राकेश शर्मा, राजेन्द्र सोनी, बीईओ रामजी पाल, एबीईओ भास्कर देवांगन, मुना लाल नेताम, राजेश शर्मा, अखिलेश गिरी गोस्वामी, परिचय मिश्रा, भूमेश पांडे, उमा प्रसाद राठौड़, चंद्रकांत बागड़े, राज अमृतेश, ओमी तिवारी व प्रतिमा अवस्थी आदि ने दी है।

संक्षिप्त समाचार

उत्कृष्ट सामाजिक कार्य के लिये कुंजाम का सम्मान किया सीईओ ने

भाटापारा। छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के जिलाध्यक्ष एवं आदिवासी गोंड़ समाज के प्रवक्ता टोनाटार चक के अध्यक्ष दौलत कुंजाम को छत्तीसगढ शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या दान योजना के तहत 8 वर्षो मे कुल 302 कन्याओं का सामूहिक विवाह आदिवासी गोड़ समाज के बैनर तले करने पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया है। जिला पंचायत सीईओ नम्रता जैन द्वारा दौलत कुंजाम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर कुंजाम को अनेक लोग सहित जिला पंचायत अध्यक्ष राकेश वर्मा ने बधाई दी है।

सरदार त्रिलोक सिंग सलूजा का सम्मान किया गया

भाटापारा। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के सम्मेलन मे अल्प संख्यक आयोग के अध्यक्ष महेन्द्र सिंग छाबड़ा, सुरेन्द्र सिंग छाबड़ा तथा कुमारी शैलजा, उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, सांसद दीपक बैज, कुलदीप जुनेजा, गुरूमुख सिंग होरा, गुरूप्रीत बाबरा, रविन्द्र सिंग भांटिया सहित गणमान्य नागरिक की उपस्थिति मे पालिका उपाध्यक्ष सरदार त्रिलोक सिंग सलूजा का सम्मान किया गया। त्रिलोक सलूजा को सम्मानित किये जाने पर भाटापारा सिक्ख समाज के सदस्यों के अलावा नरेश चौबे, सत्यनारायण ठाकुर, रेवा पारप्याणी व बल्लू ओझा सहित अनेक लोगों ने बधाई दी है।

कॉलेज में अर्थशास्त्र परिषद का गठन

भाटापारा। स्थानीय शासकीय गजानंद अग्रवाल महाविद्यालय मे अर्थशास्त्र परिषद का गठन किया गया जिसमे अध्यक्ष पिकेन्द्र बंजारे, उपाध्यक्ष हेमलता वर्मा, सचिव राहुल मारकंडे, सह सचिव सोनकली, कोषाध्यक्ष अनिल चक्रधारी सहित नीलम, मुकुल, नंदन बंजारे, हीरामणी महिलांगे सहित अन्य लोग नियुक्त किये गये है। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे डॉ. शशिकिरण कुजूर, खिलौना कन्नौजे, प्रीती सोनी व विकास गुलहरे सहित बडी संख्या मे छात्र-छात्रायें उपस्थित थे।

भाटापारा विधानसभा का चुनाव दूसरे चरण में 17 नवंबर को मतदान होगा

भाटापारा। छत्तीसगढ के विधानसभा चुनाव के लिये निर्वाचन आयोग द्वारा कार्यक्रम घोषित किया गया है। उक्त कार्यक्रम मे भाटापारा विधानसभा क्षेत्र का चुनाव दूसरे चरण मे होगा। जिसके तहत नामांकन 21 अक्टूबर से दाखिल किये जायेंगे नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 30 अक्टूबर है वहीं 3 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच किया जायेगा। प्रत्याशियों द्वारा नाम वापसी की आखिरी तारीख 2 नवंबर तय की गई है वहीं मतदान प्रक्रिया 17 नवंबर को होगा। चुनाव का परिणाम तीन दिसंबर को मतगणना के पश्चात घोषित होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनाव को मददेनजर रख आचार संहिता का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

प्रदेश की सबसे बड़ी कृषि उपज मंडी में 21 पद रिक्त कार्य संचालन में बाधा

भाटापारा। प्रदेश की सबसे बडी कृषि उपज मंडी मे इन दिनो विभिन्न पद रिक्त होने से कार्य संपादन मे बाधा उत्पन्न हो रहीं है। उक्त संबंध मे प्राप्त जानकारी के अनुसार कृषि उपज मंडी समिति के अधीन भाटापारा मंडी मे अनुभाग अधिकारी का पद एक अरसे से रिक्त पड़ा है इसी तरह सहायक ग्रेड-1 के पद रिक्त है, सहायक ग्रेड-2 के जहां दो पद रिक्त है वहीं सहायक ग्रेड-3 के तीन पद रिक्त है। मंडी मे चपरासी के 6 पद रिक्त है वहीं मंडी बोर्ड के अधिनस्थ भाटापारा मंडी मे मंडी निरीक्षक के 1 पद रिक्त है वहीं मंडी उपनिरीक्षक के 7 पद रिक्त है इस तरह लगभग 21 अधिकारी कर्मचारियो के पद रिक्त होने से सबसे बडी मंडी के कार्य संचालन मे बाधा उत्पन्न हो रहीं है इस दिशा मे शासन को यथोचित ठोस कदम शीघ्र उठाते हुये रिक्त पदों पर नियुक्ति करने की दिशा मे शीघ्र पहल करना चाहिये।

कॉलेज में मोर माटी मोर देश कार्यक्रम संपन्न

भाटापारा। शासकीय गजानंद अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय मे मोर माटी मोर देश अभियान के तहत कलश यात्रा निकाली गई जिसमे प्रिंसिपल पूर्णिमा साहू, दीपक यादव, शशिकिरण कुजूर, प्रीति सोनी, डेविड कोशले, जितेन्द्र यादव, आंनद मिंज, राजेन्द्र तिवारी, पूर्णिमा चंदेल, स्वयं सेवक लिलेश्वर, कोमल, स्वाति, ऋतु, डोलेश्वरी, प्रिया, सकुन, करण, खेमचंद, सीमा, मोतिम, घृतेश एवं लोकेश सहित बडी संख्या मे छात्र-छात्रा उपस्थित थे।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की गई

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। यातायात शाखा द्वारा बुधवार को शहर मे मोटर व्हीकल एक्ट के तहत दुपहिया वाहन मे तीन सवारी के साथ चलने वाले, बिना नंबर के वाहन चलाने वाले, नो पार्किंग मे वाहन खडी करने वाले, वाहन मे प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करने वाले, नाबालिग वाहन चलाने वाले, पुलिस अधिकारियो के आदेश का उल्लंघन करने वाले, हेडलाईट का यातायात नियम के विरूद्ध उपयोग करने, बिना कागजात के वाहन चलाने वाले, यातायात के नियमो का उल्लंघन करने, बिना सुरक्षा बेल्ट के वाहन चलाने एवं बिना हेलमेट के वाहन चलाने वाले लोगों के विरूद्ध सघन अभियान चलाते हुये कुल 38 प्रकरणो मे

कार्यवाही करते हुये 13500 रूपये समन शुल्क के रूप मे वसूली गई। उक्त कार्यवाही मे यातायात प्रभारी प्रवीण मिंज, ओंकारनाथ त्रिपाठी, कन्हैया लाल सिदार, धनेश्वर दूबे, महेन्द्र पोर्ते व अगस्त ध्रुव सहित यातायात स्टाफके लोग शामिल थे।

महत्वपूर्ण यात्री ट्रेन के पटरी पर लौटने से रेल यात्रियों को मिलेगी राहत

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। क्षेत्र मे रेल यात्रियों की हो रहे परेशानी तथा रेल प्रशासन द्वारा रोज कोई न कोई ट्रेन को रदद किये जाने के कारण विभिन्न मार्गो पर चलने वाले रेल यात्रियों की परेशानी को ध्यान मे रखते हुये रेल प्रशासन ने अपने पूर्व आदेश को निरस्त करते हुये कुछ महत्वपूर्ण ट्रेनो को पटरी पर फिर से यथावत चलाने का निर्णय लिया है।

रेल्वे के उक्त निर्णय से परेशान रेल यात्रियों की मुसीबतें कुछ हद तक कम हो सकेगी। इसी तारतम्य मे 18109 टाटा नगर इतवारी के बीच चलने वाली टाटा नगर इतवारी एक्सप्रेस एवं 18110 इतवारी टाटा नगर रेल्वे स्टेशन के बीच चलने वाली इतवारी टाटा नगर एक्सप्रेस को आगामी 17 व 18 अक्टूबर तथा 19 एवं 20 अक्टूबर को यथावत चलाने का फैसला लिया गया है। उक्त ट्रेन को उपरोक्त तारीख मे पहले रेल प्रशासन ने रदद करने का निर्णय लिया था लेकिन अब रेल यात्रियों की परेशानी व विरोध को देखते हुये पटरी पर पुनरू दौड़ाने का फैसला तत्वरित तौर पर लिया गया है। इसी तरह ट्रेन क्रमांक 18207 दुर्ग अजमेर एक्सप्रेस तथा 18208 अजमेर दुर्ग एक्सप्रेस को यथावत चलाने का भी निर्णय रेल प्रशासन ने लिया है उक्त दोनो दिशा की ट्रेन क्रमशरू 30 व 31 अक्टूबर को चलेगी इसी प्रकार तथा भगत की कोठी विशाखापटटनम एक्सप्रेस ट्रेन व पूरी जोधपुर एक्सप्रेस एवं जोधपुर पूरी एक्सप्रेस भी अपने निर्धारित रेल मार्ग पर यथावत चलेगी।

सिक्ख समाज के सम्मेलन में शामिल हुये बडी संख्या में स्वजातीय बंधु

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। छत्तीसगढ सिक्ख समाज का राज्य स्तरीय सम्मेलन गत दिनो संपन्न हुआ जिसमे शहर से बलवंत सिंग सलूजा, अमरजीत सलूजा, बेयंत सिंग खालसा, नरेन्द्र सिंग बाली, बबलू चांवला, मनी छाबड़ा, समी छाबड़ा, तंजीव अरोरा, त्रिलोक सलूजा, हरजीत गुंबर, सुरेन्द्र कौर सलूजा, गुरूमीत गुम्बर, मनेन्द्र सिंग गुम्बर, जोंटी सिंग गुम्बर, राजा गुंबर व गुरूदयाल सिंग गुंबर सहित सैकड़ो लोग शामिल हुये। उक्त कार्यक्रम मे कुमारी शैलजा, उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, सांसद दीपक बैज, कुलदीप जुनेजा, गुरूमुख सिंग होरा, महेन्द्र सिंग छाबड़ा, गुरूप्रीत बाबरा, रविन्द्र सिंग भाटिया, सुभाष धुप्पड़, मलकीत सिंग गेंदू, अमरजीत चांवला, गुरूबक्स सिंग छाबड़ा, सुरेन्द्र सिंग छाबड़ा, बल्देव भाटिया, दिलीप सिंग होरा, कुलबीर सिंग छाबड़ा, मंजीत सिंग सिरसा, गुरूमीत सिंग भाटिया, दलबीर सिंग जस्सल, परमजीत सिं, लॉली व बलवीर कौर मान सहित अन्य प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे। उक्त जानकारी पंजाबी युवा समिति के अध्यक्ष अमरजीत सिंग ने दी है।

सिविल हास्पिटल को चाहिये बिल्डिंग व विशेषज्ञ चिकित्सक

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। स्थानीय सिविल हास्पिटल को विशेषज्ञ चिकित्सक व सुव्यवस्थित भवन की दरकार है शहर व क्षेत्र के आस पास के सरहद से लगे विभिन्न जिला के लोग स्थानीय सिविल हास्पिटल मे उपचार के लिये पहुंचते है लगभग छह लाख से अधिक आबादी के लिये स्वास्थ्य सुविधा के लिये आश्रित भाटापारा सिविल हास्पिटल मे आने वाले मरीजो के लिये और भी ईलाज की बेहतर सुविधा बहाल किये जाने की नितांत आवश्यकता है एक लंबे समय से सौ बिस्तर का सिविल हास्पिटल नगर मे घोषित है लेकिन सौ बिस्तर हास्पिटल के लिये लंबे अंतराल के बाद भी भवन निर्माण शासन द्वारा नहीं कराये जाने से स्थानाभाव मे सिविल हास्पिटल मे समस्याओं का अंबार लगा हुआ है भवन की कमी के कारण और भी सुविधाओं का विस्तार नहीं हो पा रहा है जिससे लोगों को उपचार के लिये बात बात मे रायपुर, भिलाई व बिलासपुर जैसे नगरो की ओर जाना पड़ रहा है जिससे आर्थिक मानसिक शारीरिक रूप से लोगों की परेशानी बढ गई है वर्तमान मे भाटापारा सिविल हास्पिटल मे ह्रदय रोग विशेषज्ञ, निश्चेतना रोग विशेषज्ञ, हडडी रोग विशेषज्ञ एवं शिशु रोग सहित विशेषज्ञ डाक्टरो की कमी है जिससे लोगों को बात बात मे रायपुर की ओर दौड़ना पड़ रहा है। हास्पिटल मे अविभाजित मध्य प्रदेश के समय दर्जनभर से अधिक विशेषज्ञ डाक्टरो की तैनाती थी उस वक्त भी हडडी रोग, ह्रदय रोग एवं शिशु रोग जैसे विशेषज्ञो की उपलब्धता के कारण लोगों को भरपूर ईलाज सुविधा शहर मे हीं मिल जाता था लेकिन प्रदेश पुर्नगठन के बाद भाटापारा हास्पिटल मे सुविधायें बढ़ने की जगह समस्यायें बढ़ गई है। जनहित मे सिविल हास्पिटल भाटापारा के लिये नये बिल्डिंग का निर्माण जहां आवश्यक है वहीं वर्तमान मे लोगों के बीच बढ़ते विभिन्न प्रकार के रोगो को देखते हुये यहां पर ह्रदय रोग विशेषज्ञ, निश्चेतना रोग विशेषज्ञ, हडडी रोग विशेषज्ञ एवं शिशु रोग सहित विशेषज्ञ डाक्टरो की तैनाती जरूरी हो गया है। शासन प्रशासन इस दिशा मे ठोस कदम उठाते हुये वैकल्पिक तौर पर विशेषज्ञ डाक्टरो की नियुक्ति करें ताकि लोगों को अन्य शहरो की ओर ईलाज के लिये भाग दौड़ से मुक्ति मिल सके।

भाटापारा में विश्व कप क्रिकेट सटटा का पहला सटोरिया पकड़ा गया

प्रमुख खाईवाल बिलासपुर का निकला उसे भी पुलिस ने दबोचा

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दीपक झा के सख्त निर्देश के बाद क्रिकेट सटटा के कारोबार मे लिप्त लोगों के विरूद्ध पुलिस ने मोर्चा खोल दिया है। इसी सिलसिले मे शहर सीमा से लगे गांव खोखली वर्ल्ड कप क्रिकेट का ऑन लाईन सटटा खिलाते हुये एक युवक को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा है। उक्त संबंध मे थानेदार अमित पाटले से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खोखली स्थित सिद्धार्थ पोहा मिल के पास ऑन लाईन क्रिकेट सटटा खिलाते हुये अंकित महिलांगे नामक युवक को पुलिस ने पकड़ा है पकडे जाने के बाद उक्त युवक ने पुलिस पूछताछ मे स्वीकार किया है कि वह स्कूलेक्स लिंक से सटटा खिला रहा था और उसका लिंक बिलासपुर मे बैठे प्रमुख सटोरिये से जुड़ा था। अंकित महिलांगे के निशानदेही पर पुलिस की टीम ने बिलासपुर पहुंचकर संजय भागवानी व अजय भागवानी नामक दो युवको को उनके स्वयं के मोबाईल दुकान गोल्डी मोबाईल पाईंट बिलासपुर से पकड़ा है अपने मोबाईल दुकान मे उपस्थित उक्त दोनो युवको ने स्वीकार किया है कि वे ऑन लाईन क्रिकेट सटटा के कारोबार मे लिप्त है उन्होने भाटापारा निवासी अंकित महिलांगे को क्रिकेट वर्ल्ड कप सटटा मे ऑन लाईन आईडी देने की बात स्वीकार की है भगवानी बंधुओं के कब्जे से पुलिस ने वीवो 1904 टच स्क्रीन मोबाईल जिसमे संचालित जीयो सिम नंबर 8963905387 जिसका प्डम्प् 861145064374292, 86114506437428 एवं ऑन लाईन क्रिकेट वर्ल्ड कप मैच भारत पाकिस्तान के बीच हुये मुकाबले मे सटटा खिलाये जाने का स्क्रीन शार्ट पुलिस ने बरामद किया। तथा क्रिकेट सटटा मे जीते हुये रकम 15 हजार रूपये को जब्त कर संजय भगवानी के कब्जे से एक एचपी सिल्वर बैक कलर का लेपटॉप, मोबाईल वीवो वी 15 जिसमे जियो कंपनी का सिम 9098616253 प्डम्प् 860913046008150, 860913046008143 मे ऑन लाईन क्रिकेट वर्ल्ड कप का आईडी एवं अतिरिक्त रूप से जीते गये रकम 10 हजार रूपये जब्त किया है इस तरह पुलिस ने उक्त सटटा खाईवाल से 25 हजार रूपये मौके पर कुल जब्त किया। उक्त सटोरियों के विरूद्ध धारा 7 छ.ग. जुआ प्रतिशेध अधिनियम क एवं धारा 4 क जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार कर लिया गया है। वर्ल्ड कप क्रिकेट सटटा के कारोबार मे भाटापारा क्षेत्र मे यह पुलिस की पहली बडी कार्यवाही है। उक्त कार्यवाही मे निरीक्षक अमित पाटले, अजय साहू, गौरी शंकर कश्यप व कृष्णा जांगडे शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

जेसीस स्कूल में सम्मान समारोह संपन्न

भाटापारा। स्थानीय जेसीस कान्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल मे प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे 12 वीं बोर्ड एवं 10 बोर्ड मे 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। अखिल गुल्हानी ने ऐसे छात्र-छात्राओं को व्यक्तिगत रूप से शील्ड देकर सम्मानित किया। उक्त अवसर पर संस्था के संरक्षक सतीश अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, बी राघव राव, शंकर आखर, मोहन लाल केशरवानी व ममता गुप्ता सहित बडी संख्या मे छात्र-छात्रा व पालकगण उपस्थित थे।

तरेंगा स्कूल के खिलाड़ी देवास के लिये रवाना हुये

भाटापारा। सरस्वती शिशु मंदिर तरेंगा मे प्रांतीय खेल जूडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे चयनित सूरज साहू, योगी साहू, लवली साहू, निधि साहू तथा कोच हेमलता साहू मध्य प्रदेश के देवास मे आयोजित जूडो खेल प्रतियोगिता मे भाग लेने रवाना हुये। उक्त खिलाड़ियों को सुंदर लाल यदू, परमेश्वर यदू, गोविंद यदू व दिलेश यदू ने बधाई दी है।

विभिन्न यात्री ट्रेनों में अब सीसी टीवी कैमरे लगने से यात्रियों की होगी सुरक्षा

भाटापारा। दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे के मुख्य मार्ग पर चलने वाली विभिन्न महत्वपूर्ण ट्रेनो मे रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुरक्षा के हित मे विभिन्न ट्रेनो के कोच मे क्लोज सर्किट टेलीविजन कैमरे का प्रावधान किया गया है। जिसके तहत कोरबा अमृतसर छत्तीसगढ एक्सप्रेस के 38 कोच मे सीसी टीवी कैमरे लगाये गये है। इसी तरह बिलासपुर से भगत की कोठी के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन के 13 कोच मे उक्त सुविधा दी गई है बिलासपुर पुणे के मध्य चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन मे भी 6 कोच सीसी टीवी से लैस है इसी प्रकार दुर्ग निजामुददीन संपर्कक्रांति एक्सप्रेस के 16 कोच तथा दुर्ग जम्मूतवी एक्सप्रेस के 11 कोच तथा बिलासपुर एर्नाकुलम एक्सप्रेस के 4 कोच मे सीसी टीवी कैमरे लगाये गये है। गोंदिया झारसुगुडा के बीच चलने वाली पैसिंजर जेडी मे 12 कोच सीसी टीवी कैमरे से लैस है। उक्त ट्रेनो मे सीसी टीवी कैमरे लग जाने के बाद ट्रेनो के अंदर चोरी सहित असामाजिक गतिविधियों मे लिप्त लोगों की निगरानी पुख्ता तरीके से हो सकेगी वहीं महिलाओं को सुरक्षा भी प्राप्त होगी।

भाटापारा क्षेत्र में श्रद्धालु शक्ति की भक्ति में डूबे

दुर्गा प्रतिमा स्थापना व ज्योति कलश प्रज्जवलित

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। रविवार को शारदीय नवरात्रि पर्व का आगाज शहर व ग्रामीण क्षेत्र मे भक्तिपूर्ण माहौल मे हुआ। प्रशासन की सख्ती के बाद डीजे के स्थान पर पारंपरिक वाद्ययंत्र व बाजे का प्रयोग करते हुये समूचे नगर व ग्रामीण क्षेत्र मे दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना के लिये बडी तादाद मे लोग अल सुबह से दोपहर तक मूर्तियों को ले जाते रहे नगर मे लगभग 50 से अधिक स्थानो पर दुर्गा मूर्तियों की स्थापना की गई है जहां विधि विधान से घट स्थापना करते हुये ज्योति प्रज्जवलित किये गये अनेक दुर्गा मंडपो मे आकर्षक पंडाल व नयनाभिराम झांकियो का प्रदर्शन किया गया वहीं अनेक स्थानो पर श्रीमद देवी भागवत कथा पुराण का आयोजन भी आज से प्रारंभ हो गया। दूसरी ओर क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मांवली माता मंदिर सिंगारपुर एवं महामाया मंदिर तरेंगा, शीतला माता मंदिर माता देवालय तथा शीतला मंदिर हथनीपारा, कालेज गेट, नेहरू वार्ड, सुभाष बाजार, सुभाष वार्ड तथा सिद्ध बाबा काली पीठ औघड़ आश्रम एवं अनेक मंदिर व देवालयो मे आस्था के साथ ज्योति कलश प्रज्जवलित किये गये क्षेत्र के ऐतिहासिक महत्व के मांवली माता मंदिर सिंगारपुर मे मंदिर की आकर्षक साज सज्जा की गई वहीं मंदिर के पीछे स्थित गार्डन की सुंदर छटा के बीच हजारो की तादाद मे श्रद्धालु पहले दिन से हीं माता दर्शन के लिये कतार मे लगे नजर आये इसी प्रकार के माहौल सिद्ध बाबा व तरेंगा मे भी देखने को मिला इधर नवरात्रि पर्व के कारण अन्य दिनो की तुलना मे भाटापारा रेल्वे स्टेशन मे रेल यात्रियों की अत्याधिक भीड़ देखने को मिला ज्यादातर रेल यात्री देवी दर्शन के लिये विभिन्न यात्री ट्रेनो मे वैष्णव देवी कटरा जम्मू, वाराणसी, रायगढ खरसिया चंन्द्रपुर, डोंगरगढ के अलावा अन्य धार्मिक स्थल की ओर रवाना हुये वहीं नवरात्रि पर्व मे सड़क मार्ग से अनेक यात्री वाहनो की बडी मात्रा मे बुकिंग हुई जिसमे चौतुरगढ, अमरकंटक, रतनपुर, जतमई, घटारानी, राजिम, चंन्द्रहासिनी चंन्द्रपुर, मां चण्डी बागबहारा, खल्लारी, झलमला बालोद, तुरतुरिया, शिवरीनारायण व योगीद्वीप सहित अन्य स्थलो की ओर जाने के लिये श्रद्धालु बडी संख्या मे रवाना हुये। कुल मिलाकर क्षेत्र मे शारदीय नवरात्रि पर्व पर शक्ति की भक्ति मे डूबे हुये श्रद्धालु नजर आये।

मौसम ने ली करवट हल्की ठंड का एहसास वहीं फसल पर आंशिक कीट प्रकोप

बंपर फसल की उम्मीद मे बारदाना जगत मे उत्साह का माहौल

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। इस वर्ष की अच्छी बारिश के बाद पिछले एक हफ्ते से बारिश का क्रम थम गया है वहीं मौसम ने करवट ले ली है और अब लोगों को धीरे धीरे ठंड का एहसास होने लगा है। प्रातरू मौसम मे बदलाव लोग महसूस कर रहे है इन दिनों हल्की ढंड की शुरूआत होने के बाद लोग बडी संख्या मे मॉर्निंग वॉक करने अलग अलग स्थानो पर निकलने लगे है

अच्छी बारिश के बाद किसान बहुत अच्छी फसल की उम्मीद लगाये बैठे है। शासन की ओर से इस बार फिर एक नवंबर से धान खरीदी समर्थन मूल् पर करने का फैसला लिया जा चुका है वहीं क्षेत्र के कुछ किसानो ने बताया कि धान की फसल पर मामूली कीट प्रकोप का असर दिख रहा है जिसके कारण बडी संख्या मे कृषक हटरी बाजार व सदर बाजार के कृषि दवा की दुकानो मे दवा लेने पहुंच रहे है जहां से वे कीट नाशक दवाईयां लेकर पुनरू अपनी खेतों की ओर लौटकर धान की फसल को कीट प्रकोप से बचाने उपचारित कर रहे है।

अच्छी फसल की उम्मीद के बीच शहर के लगभग दो दर्जन से अधिक थोक व चिल्हर बारदाना विक्रेता भी बाजार उठने का बेसब्री से इंतजार कर रहे है। बारदाना विक्रेताओं को इस बार बारदाना जगत मे अच्छी ग्राहकी मिलने का अनुमान है हालांकि शासन की ओर से सहकारी समितियों मे धान खरीदी के लिये बारदानो की नई गठान पश्चिम बंगाल से मंगा ली गई है नई बारदाना के गठान से लदी रेक भाटापारा रेल्वे स्टेशन के रेक पाईंट से बडी तादाद मे उतर रहे है यहां से बारदाना गठान सड़क परिवहन के माध्यम से बिलाईगढ, सारंगढ, कसडोल, कवर्धा व पंडरिया की ओर भेजे जा रहे है उसके बावजूद आने वाले बंपर फसल को देखते हुये बारदाना बाजार मे अच्छी ग्राहकी की उम्मीद कायम है इसको लेकर बारदाना मर्चेन्ट पूरी तरह तैयार बैठे है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा से शिवरतन के प्रत्याशी बनने पर हर्ष का माहौल

भाटापारा। आगामी विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा किये जाने के बाद भाटापारा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 46 से भाजपा ने अपना अधिकृत प्रत्याशी शिवरतन शर्मा को पुनरू घोषित किया है। टिकट की घोषणा होते हीं भाजपा खेमे मे हर्ष का माहौल व्याप्त है। शिवरतन शर्मा को क्षेत्र से पुनरू प्रत्याशी बनाये जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने हर्ष प्रकट करते हुये भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट किया है। भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी घोषित होने के बाद शिवरतन शर्मा अपने तमाम समर्थको के साथ बडी संख्या मे जुलूस की शक्ल मे माता देवालय वार्ड स्थित शीतला मंदिर पहुंचे व वहां पर पूजा अर्चना करने के बाद जनसंपर्क की शुरूआत की। उक्त अवसर पर बडी संख्या मे पार्टी कार्यकर्ता व आम नागरिक उपस्थित थे।

आचार संहिता लागू होते हीं संपत्ती निरूपण की कार्यवाही की गई

भाटापारा। विधानसभा चुनाव के लिये चुनाव आयोग द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया की घोषणा होने के उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी चंदन कुमार के आदेश पर अमल करते हुये संपत्ती निरूपण अधिनियम के तहत शहर के प्रमुख मार्गो चौक चौराहों शासकीय एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगाये गये विभिन्न राजनेताओं के बैनर, पोस्टर, तोरण, वाल पेंटिंग एवं होर्डिंग्स को हटाने के लिये पालिका प्रशासन का संपूर्ण अमला सोमवार को सक्रिय रहा व तमाम स्थानो से उक्त किस्म के प्रचार प्रसार प्रदर्शित करने वाले युक्तियों को हटाने की कार्यवाही करते हुये उसे जब्त कर लिया गया। उक्त कार्यवाही मे प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। वहीं कलेक्टर चंदन कुमार द्वारा पालिका अधिकारी, जनपद पंचायत के सीईओ तथा चुनाव से संबंधित अधिकारी कर्मचारियों को आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने का निर्देश जारी किया गया है फ्लस्वरूप शहर के चप्पे चप्पे से बैनर पोस्टर हटाने की प्रक्रिया देर शाम तक चलती रहीं।

अंडर ब्रिज में पसरा गंदगी का साम्राज्य

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शहर मे निर्मित रेल्वे ओव्हर ब्रिज एवं हटरी बाजार रेल्वे अंडर ब्रिज की सफाई व्यवस्था नहीं होने से वहां पर गंदगी लगातार पांव पसार रही है। रेल्वे ओव्हर ब्रिज मे रोजाना पांच हजार से अधिक छोटे बड़े वाहनों की आवाजाही होती है।

नागरिक एक लंबे समय से ओव्हर ब्रिज एवं हटरी बाजार अंडरब्रिज की समुचित सफाई करने की मांग करते करते थक चुके लेकिन प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है

ओव्हर ब्रिज पर दोनो छोर पर धूल व गंदगी की मोटी चादर बिछ जाने से दुपहिया वाहन चालक अक्सर धूल की मोटी परत मे स्लीप खाकर गिर रहे है जिससे आये दिन दुर्घटनायें हो रहीं है क्षेत्र के नागरिक एक लंबे समय से ओव्हर ब्रिज एवं हटरी बाजार अंडरब्रिज की समुचित सफाई करते की मांग करते करते थक चुके है लेकिन प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिससे एक ओर जहां दुर्घटनायें लगातार घटित हो रहीं है वहीं भारी वाहनो के आवागमन के बाद ओव्हर ब्रिज पर उड़ती धूल से लोग हलाकान है खासकर पैदल सायकल व दुपहिया वाहन मे चलने वालो को धूल की गुबार से सराबोर हो जाना पड़ता है इसी तरह हटरी बाजार रेल्वे अंडर ब्रिज मे भी एक लंबे समय से सफाई व्यवस्था नहीं होने से अंडरब्रिज मे धूल की मोटी परत जम गई है वहीं रात्रि मे डिस्पोजल, पानी पाउच लेकर वहां पर शराबखोरी करने वाले पूरे कूड़ा, करकट व कचरा छोड़कर भाग खडे होते है जिससे रेल्वे अंडरब्रिज के रास्ते आने जाने वालो को गंदगी से जूझना पड रहा है रेल्वे अंडरब्रिज मे व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है प्रकाश व्यवस्था भी वहां पर कमजोर है इसी तरह के हालात रामसागर पारा टेंहका अंडरब्रिज मे मवेशियों का बडे पैमाने पर जमावड़ा होने से लोगों को आवाजाहीं मे दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा है उपर से पूरे रेल्वे अंडरब्रिज मे मवेशियों गाय, बैल, भैंस, भेंसा के समूहो द्वारा गोबर कर दिये जाने से रेल्वे अंडरब्रिज के रास्ते आवागमन करने वालो के वाहन फिसल रहे है व लोग चोटिल होकर लगातार दुर्घटना के शिकार हो रहे है टेंहका रोड़ रेल्वे अंडरब्रिज मे रात्रि के वक्त असामाजिक तत्व सक्रिय रहते है व वहां से आने जाने वाले लोगों के साथ पत्थरबाजी व गोबर फेंकने की शर्मनाक हरकत कर रहे है जिससे लोग भयभीत है इस अंडरब्रिज पर रात्रिकालीन पुलिस गश्त बढाये जाने की नितांत आवश्यकता है। क्षेत्र के लोगों ने शहर के दोनो अंडरब्रिज एवं रेल्वे ओव्हर ब्रिज की सफाई तत्काल करने तथा प्रकाश व्यवस्था सुधारने एवं पुलिस की गश्त बढाने की मांग की है।

मध्यान्ह भोजन खाकर स्कूली बच्चे हुए बीमार

त्वरित उपचार के बाद सभी बच्चे स्वस्थ्य होकर हास्पिटल से डिस्चार्ज हुये

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। *भाटापारा विकासखण्ड के ग्राम लेवई स्थित पूर्व माध्यमिक शाला मे मध्यान्ह भोजन खाकर 25 बच्चों की तबीयत बिगड गई जिसे फौरन हास्पिटल पहुंचाया गया जहां डाक्टरो के अथक प्रयास से सभी बच्चों को समय पर उपचार मिल जाने के बाद सकुशल उन्हे उनके घर की ओर रवाना किया गया है।*

उक्त संबंध मे प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लेवई के मिडिल स्कूल मे शनिवार को अध्ययन अध्यापन के बीच मध्यान्ह भोजन परोसा गया जिसमे भोजन ग्रहण करने के बाद लगभग 25 बच्चों को उल्टी व जी मचलने की शिकायत होने लगी जिससे स्कूल मे हडकंप मच गया फौरन उक्त बच्चों को निकट के उप स्वास्थ्य केन्द्र कड़ार लाया गया जहां से आगे की उपचार के लिये उन्हे सिविल हास्पिटल भाटापारा मे भर्ती कराया गया जहां उचित व समय पर उपचार मिल जाने से सभी बच्चे कुछ घंटो के बाद स्वस्थ्य हो गये जहां से उन्हे घर जाने की इजाजत दी गई। इस बीच लेवई स्कूल मे परोसे गये मध्यान्ह भोजन मे गडबडी की आशंका पर बीईओ रामजी पाल सहित अन्य अधिकारी वहां तत्काल पहुंचे व स्कूल के हेड मास्टर सहित मध्यान्ह भोजन बनाने वाले लोगों से सघन पूछताछ की गई इस बीच ज्ञात हुआ कि मध्यान्ह भोजन मे बनाये गये झुर्गा सब्जी को सफाई करने के मामले मे भोजन पकाने वालो से चूक हो गई थी फलस्वरूप भोजन खाने के उपरांत स्कूली बच्चों को उल्टी व जी मचलने जैसी शिकायत होने लगी। उक्त संबंध मे बीईओ राम जी पाल का कथन है कि मध्यान्ह भोजन मे थोडी सी लापरवाही व चूक की वजह से उक्त स्थिति निर्मित हुई है लेकिन आगे इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न न हो इसके लिये उपाय किये जा रहे है समय पर सभी बच्चों को उपचार मिल जाने से उन्हे राहत मिली है व सभी स्वस्थ्य है उन्हे हास्पिटल से डिस्चार्ज किया जा चुका है।

अग्रसेन जयंती समारोह संपन्न

मुख्य अतिथि राजेश अग्रवाल ने युवाओं को पूरी लगन और निष्ठा से आगे बढ़ने का आह्वान किया

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। आज समाज में एकता जरूरी है जब हम सब एक रहेंगे तो एक दूसरे का हाथ पकड़ कर आगे बढ़ सकते हैं एकता में जो ताकत होती है वह अकेले में छिन्न भिन्न हो जाती है वह कहते हैं ना कि संगठन में शक्ति होती है। मुझे भाटापारा में समाज में जो अपनापन मिला उसको मैं अपने शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं।

उपरोक्त बातें भाटापारा में अग्रवाल सभा के द्वारा आयोजित अग्रसेन जयंती समारोह के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए रियल इस्पात ग्रुप रायपुर के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने कही। मुख्य अतिथि रियल इस्पात रायपुर के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने युवाओं को पूरी लगन और निष्ठा से आगे बढ़ने का आह्वान किया साथ ही उन्होंने भाटापारा अग्रवाल समाज के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने अग्रसेन भवन का घूम कर पूरा अवलोकन किया। अपने उद्बोधन से राजेश अग्रवाल ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। उन्होंने सारगर्भित तरीके से महाराजा अग्रसेन जी के बारे में भी सभा में उपस्थित लोगों को जानकारी दी। अंत में उन्होंने महाराजा अग्रसेन जयंती की लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और अतिथि के रूप में उन्हें बुलाने के लिए अग्रवाल सभा का आभार व्यक्त किया।

भाटापारा में अग्रसेन जयंती बहुत ही उत्साह पूर्वक वातावरण में खुशहाली के साथ मनाई गई । इस जयंती कार्यक्रम के दिन प्रात: 5ः30 बजे प्रभात फेरी निकाली गई तत्पश्चात10 बजे अग्रसेन भवन में अग्रसेन जी की पूजा आरती की गई । दोपहर बाद परंपरा के अनुसार तथा परंपरागत तरीके से 3ः30 बजे महा सती मंदिर से शोभा यात्रा निकाली गई शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में पुरुष वर्ग , महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित हुए जुलुस नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ कांग्रेस भवन में समापन हुआ। अग्रसेन जयंती में मुख्य अतिथि के रूप में रियल इस्पात रायपुर के अध्यक्ष राजेश कुमार अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में तिल्दा नेवरा के उद्योगपति घनश्याम अग्रवाल समारोह में शामिल हुए। रात्रि 7 बजे सभा का आयोजन प्रारंभ हुआ जिसमें अग्रवाल सभा अध्यक्ष सतीश अग्रवाल की अनुपस्थिति में अग्रवाल सभा के उपाध्यक्ष छगनलाल अग्रवाल ने अध्यक्षीय भाषण दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित घनश्याम अग्रवाल ने समाज के लोगों को संबोधित किया इस अवसर पर विशेष रूप से भाटापारा न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में श्रीमती अंकिता अग्रवाल ने भी अपनी उपस्थिति दी तथा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को अपना संदेश भी दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उन्हें समाज के इस कार्यक्रम में शामिल होकर बेहद खुशी हो रही है। महाराजा अग्रसेन जी की जयंती की सभी लोगों को हार्दिक बधाई समाज में एकता व एकरूपता का होना बहुत जरूरी होता है समाज के लोगों को इस बात का ध्यान हमेशा रखना चाहिए इससे हमारा समाज और अधिक मजबूत हो सकेगा।

सभा के सचिव विष्णु अग्रवाल द्वारा सचिव प्रतिवेदन पढ़ा गया । कार्यक्रम में समाज के उपाध्यक्ष छगनलाल अग्रवाल जो कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे उन्होंने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन सूर्य प्रकाश भूषणिया एवं यश अग्रवाल के द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज के सबसे वरिष्ठ सदस्य गोपाल प्रसाद भूषणिया का मुख्य अतिथि राजेश अग्रवाल एवं अन्य अतिथियों के द्वारा प्रतीक चिन्ह एवं साल भेंट करके सम्मान किया गया।

सभी प्रतियोगियों को पारितोषिक वितरण किया गया । मुख्य अतिथि विशेष अतिथि को प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया। जयंती में अग्रवाल समाज के सभी पुरुष महिला बच्चे ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

तोतले बच्चों का शिविर संपन्न

रायपुर। अग्र बायोडाटा सेंटर, समता कॉलोनी रायपुर, छत्तीसगढ़ के द्वारा तोतले बच्चों के 4 दिवसीय निशुल्क (28 वें) शिविर का समापन किया गया। शिविर अग्र बायोडाटा सेंटर, समता आर्केड 7 नं आफिस समता कॉलोनी में लगाया गया था। 10 बच्चों का रजिस्ट्रेशन कराया गया था। एक बच्चा शिविर में नही आया।

शिविर में 9 बच्चों ने भाग लिया

9 बच्चों को शब्द उच्चारण का 100% लाभ मिला । एक बच्चे की आवाज में हकलाहट भी थी उसके शब्द उच्चारण तो ठीक हो गए लेकिन हकलाहट का इलाज नही है ।शिविर में सभी समाज से आने वालों की उम्र 5 साल से 35 साल थी।

निशुल्क शिविर मे रायपुर शहर से तोतले बच्चों ने भाग लिया।

ट्यूटर सत्यनारायण मित्तल ने सभी अभिभावकों को घर पर बच्चों की 20-25 दिन प्रैक्टिस करने की सलाह दी तथा आवाज सुधारने के तौर तरीके बताकर प्रिंट कागज भी दिया गया। शिविर समापन में कृशिव 5 साल की दादी जी ने भावुक होते हुए पूछा कि आप लोग इतनी अच्छी सेवा फ्री में क्यों करते हैं सत्यनारायण मित्तल ,तथा राधे श्याम जी जैन (सदस्य) ने दादी जी को बताया कि रुपया पैसा हमारा लक्ष्य नही है हमारा उद्देश्य केवल मानव सेवा है ,दादी जी ने बताया कि डाक्टर चंदन अग्रवाल (होम्योपैथी) हमारे फैमिली डॉक्टर हैं , डाक्टर चंदन अग्रवाल ने ही बताया था आपके बच्चे की आवाज मात्र तीन दिन में बिल्कुल मुफ्त मे यंहा ठीक हो सकती है मैंअग्र बायोडाटा सेंटर समता कॉलोनी रायपुर का बहुत बहुत धन्यवाद करती हूं। कायना राहुजा की आवाज 5-6 तारीख मात्र दो दिन में सही होने पर कायना राहुजा की माता प्रीत राहुजा अपने पति विक्की राहुजा उम्र 35 साल (कायना के पिता जी) को भी 7-8 तारीख दो दिन शिविर में लेकर आई थी, बाप बेटी की आवाज ठीक होने पर प्रीत राहुजा बहुत ही खुशी जताते हुए अग्र बायोडाटा सेंटर को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

प्रभारी प्राचार्य पूर्णिमा साहू का स्वागत

भाटापारा। स्थानीय शासकीय गजानंद अग्रवाल महाविद्यालय मे पदस्थ प्रभारी प्राचार्य श्रीमती पूर्णिमा साहू का छात्र नेताओं ने स्वागत किया है। उक्त अवसर पर कबीर पटेल, आदर्श यदू, मयंक पांडे, अमित मारकंडे, धनेश्वरी वर्मा, पायल ठाकुर, निकिता ध्रुव, मिथलेश मिरी व हरीश लहरे उपस्थित थे।

गिरीश देवांगन को प्रत्याशी बनाये जाने का स्वागत

भाटापारा। छत्तीसगढ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन को कांग्रेस प्रत्याशी बनाये जाने का स्वागत स्थानीय कांग्रेस नेता आलोक मिश्रा, त्रिलोक सलूजा, कमल ठाकुर, सरिता ठाकुर व राधेश्याम शर्मा सहित अन्य लोगों ने किया है व देवांगन से मिलकर उन्हे बधाई दी है।

मतदान केन्द्र व मुख्य गेट पर विस्तृत जानकारी अंकित होगी

भाटापारा। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 46 भाटापारा के विभिन्न मतदान केन्द्रो मे पहचान एवं मतदाताओं की सुविधा के लिये प्रत्येक मतदान केन्द्र परिसर के मुख्य गेट पर एवं मतदान कक्ष के प्रवेश द्वार पर पीले रंग के पृष्ठ पर विभिन्न जानकारी अंकित की जायेगी। जिसमे विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र का क्रमांक एवं नाम मतदान केन्द्र का नाम मतदान केन्द्र मे मतदान तिथि वार एवं मतदान का समय एवं कुल मतदाता संख्या अंकित की जायेगी इसी तरह मतदान केन्द्र मे सम्मलित क्षेत्र का उल्लेख किया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी चंदन कुमार ने तत्संबंध मे निर्देश जारी करते हुये तत्काल उक्त कार्य को प्राथमिकता से करने एवं पांच दिवस के भीतर पूरी तरह उक्त व्यवस्था को संपन्न करने के निर्देश दिये है।

कमलाकांत इंस्टीटयूट के प्रशिक्षार्थियों ने सजाये कलश

भाटापारा। कमलाकांत शुक्ला इंस्टीटयूट के बीएड प्रशिक्षार्थियों द्वारा स्वरोजगार को ध्यान मे रखते हुये एवं प्रशिक्षार्थियों मे जागरूकता उत्पन्न करने हेतु शहर के अलग अलग हिस्सों मे स्थापित नवदुर्गा उत्सव पंडाल के समीप एवं देवी मंदिरो के निकट कलश विक्रय करने की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। उक्त कलश विक्रय केन्द्र मे क्षेत्र के श्रद्धालु आस्था एवं रूचि से कलश खरीदने बडी संख्या मे पहुंच रहे है कमलाकांत शुक्ला इंस्टीटयूट के इस नये प्रयास की लोगों ने सराहना की है।

सतीश ने किया सामाजिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। निगम मंडल सदस्य सतीश अग्रवाल के प्रयास से नगरीय निकाय मंत्री शिव कुमार डहरिया ने लाल बहादूर शास्त्री वार्ड पटपर व सुरखी रोड़ मे निर्मित होने वाले सतनामी समाज व गोंड़ समाज के सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। उक्त अवसर पर उन्होने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुये कहा कि भूपेश सरकार किसान व गरीबो के हित मे लगातार काम कर रहीं है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण लोगों का जीवन स्तर बेहतर हुआ है। उक्त अवसर पर बंशी नेताम, रामसिंग ध्रुव, अलोक मिश्रा, विनोद अग्रवाल, अमर मंडावी, त्रिलोक सलूजा, सिरिज जांगड़े, नानू सोनी, राजेश चुटे, भुलुराम कुर्रे, नेम तिवारी, शैलेन्द्र, राजेन्द्र वर्मा, किशन निर्मलकर, पवन यदु, संतोष अग्रवाल, विकास शर्मा, मनीष पंजवानी, प्रमोद गायकवाड़, कुंजराम कोसले, डॉ मोहन बाधें, गोवर्धन डहरिया, बब्लू, किशन जांगड़े, पुरुषोत्तम बांधें, समीर ध्रुव, कृपाराम ध्रुव, मुरीत ध्रुव, टीकाराम ध्रुव, कार्तिक नेताम, रिखीराम पोर्ते, संतराम नेताम, उदय नेताम, शैल नेताम, टेकसिंग ध्रुव, रविशंकर ध्रुव, लखन नेताम गौकरण ध्रुव, शंकर मरई, जे.आर.ध्रुव व कन्हैया वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

भाटापारा में आदर्श रामलीला का मंचन जारी

भाटापारा। शहर के 104 वर्ष पुरानी आदर्श रामलीला मंडली द्वारा पुराना गंज सभा स्थल पर रामलीला का मंचन प्रारंभ कर दिया गया है जिसमे सीताराम पटाक, प्रकाश शर्मा, कैलाश पुरोहित, महेश उपाध्याय, अटल त्रिवेदी, सत्यनारायण जोशी, राधेश्याम शर्मा, राजा त्रिवेदी, हरगोपाल शर्मा, अजयकांत शुक्ला व अशोक तिवारी की उपस्थिति मे रामलीला का मंचन प्रारंभ हुआ। उक्त रामलीला मे अक्षत जोशी, लक्ष्य चौरसिया, हर्ष गुप्ता, सागर जायसवाल, अभी अग्रवाल, काव्यांश शर्मा, कोमल शर्मा, जगदीश वैष्णव, नमन मल, श्याम मल, वैभव तिवारी, आयुष तिवारी, आदित्य जोशी, कार्तिकेय पांडे, जय मल, केशव लाहोटी, आदि सोनी प्रिंस ठाकुर, अग्रांश शर्मा, मुकुल शर्मा, मंगल मिश्रा सहित धनजी जोशी, प्रकाश ओझा, रामजी जोशी, देवनारायण शर्मा, बजरंग चौरसिया मुख्य अभिनय मे हिस्सा ले रहे है।

संतोष कुमार साहू (लालू)

ब्यूरोचीफ
"क्रांतिरथ छत्तीसगढ़" अखबार में
विज्ञापन, समाचार एवं प्रतियों के लिए
संपर्क करें
9827916119

संक्षिप्त समाचार

देवरी में सीसी रोड का निर्माण होगा

भाटापारा। निकटवर्ती गांव देवरी मे सतनामी पारा एवं सोसायटी के पीछे 10 लाख रूपये की लागत से बनने वाले सीसी रोड़ का भूमिपूजन गांव के सरपंच सेवकराम साहू ने किया। उक्त अवसर पर पवन वर्मा, जीवन साहू, धनराज वर्मा, सुरेश वर्मा, योगराज वर्मा सहित बडी संख्या मे ग्रामीणजन उपस्थित थे। उक्त राशि विधायक शिवरतन शर्मा द्वारा पूर्व मे प्रदत्त की गई थी।

रामलीला का मंचन देखने पहुंचे एसडीओपी आशीष अरोरा

भाटापारा। पुराना गंज सभा स्थल मे जारी आदर्श रामलीला का मंचन का मुआयना करने बीती रात्रि एसडीओपी आशीष अरोरा अपने मातहत पुलिस कर्मियो के साथ पहुंचे व उन्होने सन 1920 से प्रारंभ उक्त रामलीला मंडली के पुराने अस्त्र शस्त्र एवं साहित्य का अवलोकन किया। अरोरा ने रामलीला संचालन मे व्यवस्था का मुआयना भी किया। एवं कुछ देर वहां रूककर कलाकारो के संवाद भी सुने। इस दौरान उन्होने आगामी चुनाव के आचार संहिता की जानकारी को मंच के माध्यम से लोगों तक पहुंचाकर आम जनता को जागरूक करने एवं नियमो की जानकारी देने का आग्रह आदर्श रामलीला मंडली के संचालको से किया।

भाटापारा में भक्ति की बयार बह रहीं है, श्रद्धालुओं का तांता लगा मंदिरो में

भाटापारा। शहर व ग्रामीण क्षेत्र मे इन दिनो माता भक्ति की बयार चल रहीं है शक्ति की भक्ति मे लोग पूरी तरीके से डूब गये है नगर के सार्वजनिक दुर्गा पंडाल मे माता दुर्गा के दर्शन के लिये श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पडा है शहर मे लगभग 50 से अधिक स्थानो पर दुर्गा प्रतिमा की स्थापना की गई है जहां आकर्षक प्रतिमा के साथ साथ साज सज्जा लाईट डेकोरेशन एवं तरह तरह की झांकियो के दर्शन करने लोग हजारो की तादाद मे पहुंच रहे है नगर मे बस स्टैड चौक महासती मंदिर नेहरू वार्ड, कृषि उपज मंडी, मारवाडी कुंआ के अलावा विभिन्न वार्डो के चौक चौराहे पर दुर्गोत्सव की धूम मची हुई है उक्त सभी स्थलो पर विविध आयोजन हो रहे है जिसमे श्रीमद देवी भागवत कथा जस गीत भजन संध्या एवं अन्य धार्मिक आयोजन

के कारण संपूर्ण वातावरण मे धर्म की हवा बह रहीं है इधर क्षेत्र के ऐतिहासिक महत्व के मावली माता मंदिर सिंगारपुर मे भी देवी दर्शन के लिये श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है लोग कतारबद्ध होकर देवी दर्शन के लिये खडे हुये है इसी प्रकार का माहौल महामाया मंदिर तरेंगा सिद्ध बाबा शीतला माता मंदिर माता देवालय व अन्य स्थानो पर देखने को मिल रहा है वहीं बडी तादाद मे श्रद्धालु देवी दर्शन के लिये मैहर, चंन्द्रपुर, डोंगरगढ, जतमई, घटारानी, झलमला, बुचीपुर, चौतुरगढ, रतनपुर, खल्लारी, योगीद्वीप, जोगीद्वीप, राजिम, तुरतुरिया,शिवरीनारायण सहित अन्य धर्म स्थल की ओर जा रहे है जिसमे ज्यादातर श्रद्धालु विभिन्न यात्री ट्रेनो मे सफर कर रहे है वहीं सड़क मार्ग से भी हजारो श्रद्धालु देवी मंदिरो मे पहुंच रहे है अनेक श्रद्धालु तो अपने अपने दुपहिया वाहन से हीं लंबा सफर तय कर रहे है। इस बीच अनेक देवी भक्त 11 किलोमीटर पैदल चलकर मां मावली मंदिर सिंगारपुर भी पहुंच रहे है। उक्त देवी मंदिरो मे बडी संख्या मे ज्योति कलश प्रज्जवलित किये गये है।

कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भाटापारा की घोर उपेक्षा - शिवरतन शर्मा

भाटापारा। नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव मे प्रत्याशी का अपने मतदाताओं से दिन मे कई बार मेल जोल हो जाता है परंतु विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव मे प्रत्याशी की तरफ से कार्यकर्ता हीं मतदाताओं के बीच पार्टी के लिये समर्थन एवं आर्शीवाद मांगता है उक्त बातें विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 46 के अधिकृत प्रत्याशी शिवरतन शर्मा ने कार्यकर्ताओं के बैठक के बीच कहीं उन्होने कहा कि भाटापारा क्षेत्र मे जितने भी विकास के कार्य हुये है वे भाजपा शासन के कार्यकाल मे हुये है चाहे वह कोर्ट की स्थापना का मामला हो या नल जल योजना, शहर मे ओव्हरब्रिज

अंडरब्रिज, चारो तरफ सड़को का जाल बिछाने का काम आईटीआई, लॉ कालेज, पॉलीटेक्निक कालेज एवं शहर मे अन्य विकास के काम डॉ.रमन सिंग के मुख्यमंत्रीत्व काम मे हुये पिछले पांच वर्षो मे प्रदेश मे कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद भाटापारा मे विकास के एक भी कार्य नहीं हुये है। भूपेश सरकार की उपेक्षापूर्ण नीति के कारण आज कांग्रेसी एक भी विकास कार्य बताने की स्थिति मे नहीं है और तो और गरीबों का आवास योजना भी भूपेश सरकार ने रोककर रख दी है। उक्त बैठक मे राकेश तिवारी, सुनील यदू, मोहन बांधे, सहित विभिन्न मंडल के पदाधिकारी एवं विभिन्न प्रकोष्ठो के कार्यकर्ता पदाधिकारी बडी संख्या मे उपस्थित थे। उन्होने इस बार फिर क्षेत्र से विधायक के रूप मे शिवरतन शर्मा को विजय बनाने का संकल्प लिया। उक्ताशय की जानकारी मनेन्द्र सिंग गुम्बर ने दी है।

कालेज में विश्व खाद्य दिवस मनाया गया

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शासकीय गजानंद अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा विश्व खाद्य दिवस के तहत मिलेट पर व्याख्यान एवं व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया। संस्था प्रमुख प्रभारी प्राचार्य डॉ. पूर्णिमा साहू के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी दीपक कुमार यादव, डॉ.शशिकिरण कुजूर के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. ए.आर.सी. जेम्स, प्राचार्य, शासकीय दाउ कल्याण सिंग स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलौदाबाजार रही जिन्होंने अपने वक्तव्य में विश्व खाद्य दिवस के वर्तमान थीम पर प्रकाश डालते हुये मिलेट के प्रकार एवं महत्व तथा मिलेट की खेती में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर डालते हुये कहा कि अधिकतर गांवों में महिलाओं द्वारा मिलेट की खेती की जाती है एवं पूर्व में मिलेट को गरीबों का अनाज कहा जाता था,

वर्तमान समय में अमीरों का पसंदीदा भोजन बन गया है। संस्था प्रमुख प्रभारी प्राचार्य डॉ. पूर्णिमा साहू ने मिलेट के पाये जाने वाले पौष्टिक तत्वों को समझाते हुये कहा मिलेट्स शारीरिक विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

मिलेट पर व्यंजन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें प्रथम स्थान लीलेश्वर साहू, द्वितीय स्थान सृष्टि, तृतीय स्थान दीक्षा वर्मा ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालक डॉ. शशिकिरण कुजूर एवं आभार प्रदर्शन दीपक यादव ने किया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. अनिता सरीन, डॉ.उमाकांत मिश्र, डॉ.आनंद मिंज, अशोक वर्मा, गुप्तेश्वर साहू, डॉ.प्रीति सोनी, डॉ. विकास गुलहरे, श्रीमती रेखा कश्यप, डॉ.नवनीत द्विवेदी, इंद्राणी मरकाम, खिलौना कनोजे, जमाल फातिमा, श्रीमती सुनीता तिवारी एवं लिलेश्वर, कोमल, करन, खेमचंद, स्वाती, डोलेश्वरी, मोतिम एवं लोकेश आदि उपस्थित थे।

यातायात नियम का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। स्थानीय पुलिस की यातायात शाखा द्वारा विभिन्न सड़क मार्ग मे बिना हेलमेट गाड़ी चलाने, बिना सुरक्षा बेल्ट के वाहन चलाने, प्रेशर हार्न वाहन वाले, नो पार्किंग जोन मे वाहन खडी करके यातायात बाधित करने वाले, बिना कागजात एवं बिना नंबर के वाहन चलाने वाले तथा दुपहिया वाहनो मे यातायात नियमो का पालन न करते हुये हेड लाईट मे काली पटटी न लगाने वाले तथा तीन सवारी वाले दुपहिया वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये कुल 30 प्रकरणों मे 9400 रूपये की समन शुल्क की वसूली की गई। उक्त कार्यवाही यातायात प्रभारी प्रवीण मिंज के मार्ग निर्देशन मे आदिनाथ त्रिपाठी, कन्हैया लाल सिदार, धनेश दुबे, महेन्द्र पोर्ते व अगस्त ध्रुव शामिल थे।

शांति समिति की बैठक संपन्न

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। विधानसभा आम निर्वाचन के परिप्रेक्ष्य मे क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु पुलिस थाना मे बैठक आयोजन किया गया। जिसमे कानून व्यवस्था को नियंत्रित करने के उददेश्य से क्षेत्र मे ऐहतियात बरतने के लिये किसी भी प्रकार के अस्त्र शस्त्र एवं धारदार हथियार लेकर चलने पर प्रतिबंध लगाये जाने की जानकारी दी गई। बैठक मे बताया गया कि क्षेत्र मे धारा 144 लागू कर दी गई है जो कि आगामी 5 दिसंबर की रात्रि 12 बजे तक प्रभावशील रहेगा। बैठक मे बताया गया कि बिना प्रशासन की अनुमति के रैली, धरना प्रदर्शन, जुलूस करना कानून का उल्लंघन माना जायेगा साथ हीं डीजे व साउंड बाक्स, धुमाल के खुलेआम शोर शराबा पर भी प्रतिबंध जारी रहेगा। उक्त ध्वनि प्रसार यंत्र के लिये प्रशासनिक अनुमति आवश्यक होगा। उक्त बैठक मे एसडीओपी आशीष अरोरा, थानेदार ग्रामीण अमित पाटले, शहर थाना प्रभारी योगिता बाली खापर्डे, यातायात थाना प्रभारी प्रवीण मिंज के अलावा विभिन्न मिडिया से जुडे लोग व अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

भाटापारा में चुनाव कराने प्रशासन को सतर्कता की जरूरत

भाटापारा। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 46 भाटापारा विधानसभा क्षेत्र का चुनाव दूसरे चरण के 17 नवंबर को होना है इसके लिये निर्वाचन आयोग द्वारा संपूर्ण व्यवस्था व तैयारी की जा रहीं है। क्षेत्र मे आगामी विधानसभा चुनाव मे 254815 मतदाता अपने मतों का प्रयोग करेंगे। क्षेत्र मे इस बार 282 मतदान केन्द्र बनाये गये है इसमे 125807 पुरूष मतदाता एवं 126548 महिला मतदाता के साथ साथ 1394 दिव्यांग मतदाता तथा 13 थर्ड जेंडर मतदाता है। क्षेत्र मे 2018 विधानसभा चुनाव के मुकाबले 2023 मे पुरूष मतदाताओं की तुलना मे महिला मतदाताओं की तादाद बढने से क्षेत्र मे महिला मतदाताओं के वोट निर्णायक स्थिति मे रहेंगे। शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रो मे प्रशासन को विशेष सतर्कता के साथ चुनाव कराने के लिये ध्यान देना होगा क्योकि पूर्व की तुलना मे एक ओर जहां मतदाताओं की संख्या मे वृद्धि हुई है वहीं भाटापारा क्षेत्र का चुनाव हाई प्रोफाईल स्तर का होने का अनुमान है शहर व ग्रामीण क्षेत्रो मे पिछले पांच वर्षो के गतिविधियों की तुलनात्मक अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि अपराध व उससे जुडे गतिविधियों मे वृद्धि हुई है वहीं चाकूबाजी व तलवार लहराने की घटनाओं मे निरंतर वृद्धि होने से शहर व गांव के अनेक क्षेत्र संवेदनशील हो गये है जहां निश्चित तौर पे कानून व्यवस्था को सुदृढ किये जाने की जरूरत है। वहीं बदले हुये राजनीतिक परिवेश मे दोनो राष्ट्रीय पार्टियों के अलावा अन्य राजनीतिक दल के नेता चुनावी मैदान मे उतर सकते है चुनाव के दौरान सघन प्रचार अभियान व जनसंपर्क के बीच जो स्थिति निर्मित होगी उसके लिये प्रशासन को चौकस होकर व्यवस्था बनाने के लिये अभी से तैयारी शुरू करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

शनिवार को हमर धरोहर रायपुर का कार्यक्रम

भाटापारा। आगामी 21 अक्टूबर शनिवार को सत्यनारायण धर्मशाला के सामने जोत जस जंवरा जगराता उत्सव हमर धरोहर रायपुर ग्रुप का कार्यक्रम आयोजन किया गया है। उक्त कार्यक्रम नवयुवक दुर्गोउत्सव समिति द्वारा आयोजित किया जा रहा है जिसमे जाने माने कलाकार भक्तिमय कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। श्रोताओं के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था समिति द्वारा की गई है।

छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज द्वारा अग्रसेन जयंती संपन्न

भाटापारा। नगर मे अग्रसेन जयंती का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया उक्त कार्यक्रम मे छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज, छत्तीसगढी अग्रवाल महिला मंडल व युवती मंडल के तमाम पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। जिसमे जगदीश अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, डॉ.शारदानंद अग्रवाल, मनोरमा अग्रवाल, कामिनी अग्रवाल, विंध्या अग्रवाल, निखिल अग्रवाल सहित बडी संख्या मे सामाजिक बंधु उपस्थित थे। दाउ संतोष अग्रवाल ने बताया है कि आगामी 28 अक्टूबर शरद पूर्णिमा चन्द्रग्रहण होने के कारण 29 अक्टूबर रविवार को मनाया जायेगा।

कमलाकांत इंस्टीटयूट में गरबा नृत्य का आयोजन

भाटापारा। कमलाकांत शुक्ला इंस्टीटयूट देवरी मे छात्र-छात्राओं द्वारा दुर्गा सप्तमी शनिवार के दिन गरबा नृत्य का आयोजन किया गया है। जिसमे डीसीए, बीसीए, पीजीडीसीए, बीए, बीएससी, बीकॉम व बीएड के प्रशिक्षार्थियों छात्र शामिल होंगे। आयोजको ने इंस्टीटयूट के सभी छात्र-छात्राओं तथा भूतपूर्व छात्र-छात्राओं को भी उक्त कार्यक्रम मे शामिल होने का अनुरोध किया है।

भाटापारा मे 20 अक्टूबर से नेशनल कुराश व वर्ल्ड चौम्पियनशीप सिलेक्शन प्रतियोगिता का आयोजन

भाटापारा। आगामी 20 अक्टूबर से शहर के महेश्वरी भवन मे 12 वीं सीनियर कुराश प्रतियोगिता का आयोजन 12 वीं सीनियर नेशनल कुराश सह वर्ल्ड चौम्पियनशीप तुर्कीमेनिस्तान के लिये भारतीय कुराश दल की चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमे लगभग 20 राज्यो के 250 से अधिक खिलाड़ी व कोच एवं मैनेजर भाग लेंगे। यह प्रतियोगिता 22 अक्टूबर तक चलेगी यह प्रतियोगिता जूडो और कुश्ती की तरह आयोजित होगा। यह बताना लाजिमी है कि भाटापारा के दो खिलाड़ी एवं छत्तीसगढ से कुल चार खिलाड़ी इस खेल प्रतियोगिता मे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर चुके है। यह प्रतियोगिता स्कूल स्तर पर विगत 8 वर्षो से सम्मलित है जिसमे छत्तीसगढ की टीम प्रतिवर्ष भाग लेती है।

पेट्रोल पंपो में रिजर्व स्टाक रखने के आदेश, चुनाव के मद्देनजर

भाटापारा। आगामी विधानसभा चुनाव को मददेनजर रखते हुये भाटापारा शहरी क्षेत्र मे स्थित विभिन्न पेट्रोल पंप संचालको को अपने अपने पेट्रोल पंपो मे छत्तीसगढ़ मोटर स्पिरिट एवं हाई स्पीड डीजल आईल अनुज्ञापन एवं नियंत्रण आदेश 1980 के प्रावधानो के अंतर्गत 2 हजार लीटर पेट्रोल एवं 4 हजार लीटर डीजल का स्टाक रिजर्व रूप से रखने के लिये आदेश जारी किये गये है। उक्त रिजर्व स्टाक पेट्रोल एवं डीजल का वितरण एसडीएम, तहसीलदार व खाद्य अधिकारी के अनुमति के बाद हीं पेट्रोल पंप संचालक कर सकेंगे। इसी तरह ग्राम्य अंचल के पेट्रोल पंप के संचालक अपने पेट्रोल पंप मे 1 हजार लीटर पेट्रोल तथा 2 हजार लीटर डीजल का रिजर्व स्टाक रखेंगे। उक्त पेट्रोल पंपो मे रिजर्व स्टाक भंडारित करने के निर्देश जारी किये गये है। उपरोक्त आदेश का कड़ाई से पालन करने के निर्देश जारी किये गये है।

40 फीट उंचे रावण का दहन होगा भाटापारा रावण भांठा में

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। इस वर्ष अश्विन महिने के दसवीं तिथि 24 अक्टूबर दिन मंगलवार को भाटापारा के रावण भांठा दशहरा मैदान मे रावण दहन का कार्यक्रम होगा। इसके लिये लगभग 40 फीट उंचे रावण का पुतला निर्माण दृरुत गति से रावण भांठा मैदान मे किया जा रहा है। जहां आतिशबाजी के बीच दशहरा पर्व मनाया जायेगा। बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप मे मनाये जाने वाले रावण दहन के पूर्व शहर के 104 वर्ष पुरानी आदर्श रामलीला मंडली के कलाकार रावण भांठा मे अंतिम मंचन राम रावण युद्ध का करेंगे तत्पश्चात रावण वध का कार्यक्रम प्रारंभ होगा। भाटापारा मे रावण दहन को देखने लगभग 40 हजार से अधिक लोग पहुंचते है जिसमे शहर के अलावा शहर सीमा से लगे गांव के लोग भी होते है।

नवरात्रि में होती है नौ देवीयों की पूजा

न वरात्रि उत्सव के दौरान माँ दुर्गा के नौ विभिन्न रूपों का सम्मान एवं पूजा की जाती है। जिसे नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है। माँ दुर्गा का पहला ईश्वरीय स्वरुप शैलपुत्री है7 शैल का अर्थ है शिखर7 शास्त्रों में शैलपुत्री को पर्वत (शिखर) की बेटी के नाम से जाना जाता है।आमतौर पर यह समझा जाता है कि देवी शैलपुत्री कैलाश पर्वत की पुत्री है। लेकिन यह बहुत ही निम्न स्तर की सोच है। किन्तु इसका योग के मार्ग पर वास्तविक अर्थ है -चेतना का सर्वोच्चतम स्थान। यह बहुत दिलचस्प है कि जब ऊर्जा अपने चरम स्तर पर है तभी आप इसका अनुभव कर सकते हैं7 इससे पहले कि यह अपने चरम स्तर पर न पहुँच जाए तब तक आप इसे समझ नहीं सकते। क्योंकि चेतना की अवस्था का यह सर्वोत्तम स्थान है जो ऊर्जा के शिखर से उत्पन्न हुआ है। यहाँ पर शिखर का मतलब है,हमारे गहरे अनुभव या गहन भावनाओं का सर्वोच्चतम स्थान। जब आप 100त्न गुस्से में होते हैं तो आप महसूस करेंगे कि गुस्सा आपके शरीर को कमजोर कर देता है। दरअसल हम अपने गुस्से को पूरी तरह से व्यक्त नहीं करते, जब आप 100 त्न क्रोध में होते हैं,यदि पूरी तरह से क्रोध को आप व्यक्त करें तो आप इस स्थिति से जल्द ही बाहर निकल सकते हैं। जब आप 100 प्रतिशत किसी भी चीज में होते हैं, तभी उसका उपभोग कर सकते हैं ,ठीक इसी तरह जब क्रोध को आप पूरी तरह से व्यक्त करेंगे तब ऊर्जा की उछाल का अनुभव करेंगे और साथ ही तुरंत क्रोध से बाहर निकल जाएंगे। क्या आपने देखा है कि बच्चे कैसे व्यवहार करते हैं? जो भी वे करते हैं, वे 100त्न करते हैं।अगर वे गुस्से में हैं, तो वे उस पल में 100त्न गुस्से में हैं, और फिर तुरंत कुछ ही मिनटों के बाद वे उस क्रोध को भी छोड़ देते हैं।अगर वे नाराज हो जाते हैं, तो भी वे थक नहीं जाते हैं। लेकिन अगर आप गुस्सा हो जाते हैं तो आपका गुस्सा आपको थका देता है। ऐसा क्यों है? ऐसा इसलिए है क्योंकि आप अपना क्रोध 100त्न व्यक्त नहीं करते हैं। अब इसका मतलब यह नहीं है कि आप हर समय नाराज हो जाएँ। तब आपको उस परेशानी का भी सामना करना पड़ेगा जिसकी वजह से क्रोध आता है। जब आप किसी भी अनुभव या भावनाओं के शिखर तक पहुंचते हैं तो आप दिव्य चेतना के उद्भव का अनुभव करते हैं,क्योंकि यह चेतना का सर्वोत्तम शिखर है।

शैलपुत्री

दुर्गाजी पहले स्वरूप में शैलपुत्री के नाम से जानी जाती हैं। ये ही नवदुर्गाओं में प्रथम दुर्गा हैं। पर्वतराज हिमालय के घर पुत्री रूप में उत्पन्न होने के कारण इनका नाम शैलपुत्री पड़ा। नवरात्र पूजन में प्रथम दिवस इन्हीं की पूजा और उपासना की जाती है। इनका वाहन वृषभ है, इसलिए यह देवी वृषारूढ़ा के नाम से भी जानी जाती हैं। इस देवी ने दाएँ हाथ में त्रिशूल धारण कर रखा है और बाएँ हाथ में कमल सुशोभित है। यही सती के नाम से भी जानी जाती हैं।

ब्रह्मचारिणी

नवरात्र पर्व के दूसरे दिन माँ ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना की जाती है। साधक इस दिन अपने मन को माँ के चरणों में लगाते हैं। ब्रह्म का अर्थ है तपस्या और चारिणी यानी आचरण करने वाली। इस प्रकार ब्रह्मचारिणी का अर्थ हुआ तप का आचरण करने वाली। भगवान शंकर को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। इस कठिन तपस्या के कारण इस देवी को तपश्चारिणी अर्थात? ब्रह्मचारिणी नाम से अभिहित किया। कहते है माँ ब्रह्मचारिणी देवी की कृपा से सर्वसिद्धि प्राप्त होती है। दुर्गा पूजा के दूसरे दिन देवी के इसी स्वरूप की उपासना की जाती है। इस देवी की कथा का सार यह है कि जीवन के कठिन संघर्षों में भी मन विचलित नहीं होना चाहिए।

चन्द्रघण्टा

माँ दुर्गाजी की तीसरी शक्ति का नाम चंद्रघंटा है। नवरात्रि उपासना में तीसरे दिन की पूजा का अत्यधिक महत्व है और इस दिन इन्हीं के विग्रह का पूजन-आराधन किया जाता है। इस दिन साधक का मन मणिपूर चक्र में प्रविष्ट होता है।

इस देवी की कृपा से साधक को अलौकिक वस्तुओं के दर्शन होते हैं। दिव्य सुगन्धियों का अनुभव होता है और कई तरह की ध्वनियाँ सुनाई देने लगती हैं।

कूष्माण्डा

नवरात्र-पूजन के चौथे दिन कूष्माण्डा देवी के स्वरूप की ही उपासना की जाती है। इस दिन साधक का मन अनाहत चक्र में अवस्थित होता है।

नवरात्रि में चौथे दिन देवी को कुष्माण्डा के रूप में पूजा जाता है। अपनी मन्द, हल्की हँसी के द्वारा अण्ड यानी ब्रह्माण्ड को उत्पन्न करने के कारण इस देवी को कुष्माण्डा नाम से अभिहित किया गया है। जब सृष्टि नहीं थी, चारों तरफ अन्धकार ही अन्धकार था, तब इसी देवी ने अपने ईष हास्य से ब्रह्माण्ड की रचना की थी। इसीलिए इसे सृष्टि की आदिस्वरूपा या आदिशक्ति कहा गया है।

इस देवी की आठ भुजाएँ हैं, इसलिए अष्टभुजा कहलाई। इनके सात हाथों में क्रमशः कमण्डल, धनुष, बाण, कमल-पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा हैं। आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जप माला है। इस देवी का वाहन सिंह है और इन्हें कुम्हड़े की बलि प्रिय है। संस्कृत में कुम्हड़े को कुष्माण्ड कहते हैं इसलिए इस देवी को कुष्माण्डा।

स्कंदमाता

नवरात्रि का पाँचवाँ दिन स्कंदमाता की उपासना का दिन होता है। मोक्ष के द्वार खोलने वाली माता परम सुखदायी हैं। माँ अपने भक्तों की समस्त इच्छाओं की पूर्ति करती हैं। इस देवी की चार भुजाएँ हैं। यह दायीं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कन्द को गोद में पकड़े हुए हैं। नीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है। बायीं तरफ ऊपर वाली भुजा में वरदमुद्रा में हैं

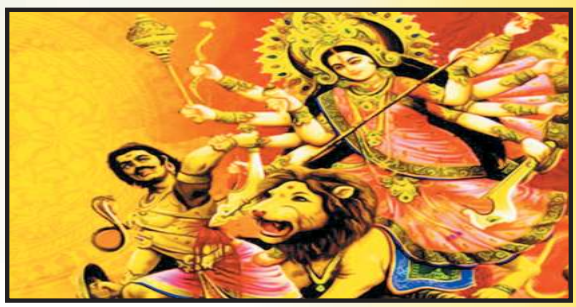

और नीचे वाली भुजा में कमल पुष्प है।

पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वालीं स्कन्दमाता। नवरात्रि में पाँचवें दिन इस देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है। स्कन्द कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कन्दमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कन्द बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं। इस देवी की चार भुजाएँ हैं।

यह दायीं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कन्द को गोद में पकड़े हुए हैं। नीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है। बायीं तरफ ऊपर वाली भुजा में वरदमुद्रा में हैं और नीचे वाली भुजा में कमल पुष्प है। इनका वर्ण एकदम शुभ्र है। यह कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं। इसीलिए इन्हें पद्मासना भी कहा जाता है। सिंह इनका वाहन है।

शास्त्रों में इसका पुष्कल महत्व बताया गया है। इनकी उपासना से भक्त की सारी इच्छाएँ पूरी हो जाती हैं। भक्त को मोक्ष मिलता है। सूर्यमण्डल की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण इनका उपासक अलौकिक तेज और कान्तिमय हो जाता है। अतः मन को एकाग्र रखकर और पवित्र रखकर इस देवी की आराधना करने वाले साधक या भक्त को भवसागर पार करने में कठिनाई नहीं आती है।

कात्यायनी

माँ दुर्गा के छठे स्वरूप का नाम कात्यायनी है। उस दिन साधक का मन आज्ञा चक्र में स्थित होता है। योगसाधना में इस आज्ञा चक्र का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है।

मान्यता

इनकी उपासना और आराधना से भक्तों को बड़ी सहजता से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है। उसके रोग, शोक, संताप और भय नष्ट हो जाते हैं। जन्मों के समस्त पाप भी नष्ट हो जाते हैं।

कालरात्रि

माँ दुर्गाजी की सातवीं शक्ति कालरात्रि के नाम से जानी जाती हैं। दुर्गापूजा के सातवें दिन माँ कालरात्रि की उपासना का विधान है। इस दिन साधक का मन सहस्रार चक्र में स्थित रहता है। इसके लिए ब्रह्माण्ड की समस्त सिद्धियों का द्वार खुलने लगता है।

कहा जाता है कि कालरात्रि की उपासना करने से ब्रह्माण्ड की सारी सिद्धियों के दरवाजे खुलने लगते हैं और तमाम असुरी शक्तियां उनके नाम के उच्चारण से ही भयभीत होकर दूर भागने लगती हैं। नाम से अभिव्यक्त होता है कि माँ दुर्गा की यह सातवीं शक्ति कालरात्रि के नाम से जानी जाती है अर्थात जिनके शरीर का रंग घने अन्धकार की तरह एकदम काला है। नाम से ही जाहिर है कि इनका रूप भयानक है। सिर के बाल बिखरे हुए हैं और गले में विद्युत की तरह चमकने वाली माला है। अन्धकारमय स्थितियों का विनाश करने वाली शक्ति हैं कालरात्रि। काल से भी रक्षा करने वाली यह शक्ति है।

महागौरी

माँ दुर्गाजी की आठवीं शक्ति का नाम महागौरी है। दुर्गापूजा के आठवें दिन महागौरी की उपासना का विधान है। नवरात्रि में आठवें दिन महागौरी शक्ति की पूजा की जाती है। नाम से प्रकट है कि इनका रूप पूर्णतः गौर वर्ण है। इनकी उपमा शंख, चन्द्र और कुन्द के फूल से दी गई है। अष्टवर्षा भवेद् गौरी यानी इनकी आयु आठ वर्ष की मानी गई है। इनके सभी आभूषण और वस्त्र श्वेत हैं। इसीलिए उन्हें श्वेताम्बरधरा कहा गया है। इनकि चार भुजाएँ हैं और वाहन वृषभ है इसीलिए वृषारूढ़ा भी कहा गया है इनको। इनके ऊपर वाला दाहिना हाथ अभय मुद्रा है तथा नीचे वाला हाथ त्रिशूल धारण किया हुआ है। ऊपर वाले बाएँ हाथ में डमरू धारण कर रखा है और नीचे वाले हाथ में वर मुद्रा है। इनकी पूरी मुद्रा बहुत शान्त है।

सिद्धिदात्री

माँ दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री हैं। ये सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली हैं। नवरात्र के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। मान्यता है कि इस दिन शास्त्रीय विधि-विधान और पूर्ण निष्ठा के साथ साधना करने वाले साधक को सभी सिद्धियों की प्राप्ति हो जाती है। इस देवी के दाहिनी तरफ नीचे वाले हाथ में चक्र, ऊपर वाले हाथ में गदा तथा बायीं तरफ के नीचे वाले हाथ में शंख और ऊपर वाले हाथ में कमल का पुष्प है। इनका वाहन सिंह है और यह कमल पुष्प पर भी आसीन होती हैं।नवरात्र में यह अन्तिम देवी हैं। हिमाचल के नन्दापर्वत पर इनका प्रसिद्ध तीर्थ है।

जानिए भारत की 20 अंधविश्वासी हिंदू परंपराओं के पीछे का वैज्ञानिक महत्व

हमेशा से यह माना गया है कि भारत एक सांस्कृतिक और पारंपरिक देश है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि भारत की संस्कृति और सभ्यता दुनिया के सबसे धनी, और सभ्य संस्कृतियों में से एक है। जिसकी झलक हमें भारतीय ग्रंथों और पुराणों में देखने को मिल मिलती है। विभिन्न संस्कृति और परम्परा के रह रहे लोग यहां सामाजिक रूपों से स्वतंत्र हैं और इसी कारण से धर्मों की विविधता में एकता के मजबूत संबंधों का यहां अस्तित्व है।

भले ही भारत कितना भी आगे बढ़ जाए, लोग कितने भी आधुनिक हो जाएं, लेकिन आज भी ऐसी कुछ परंपरा और रीति-रिवाज हैं, जो सदियों से लोग निभाते आ रहे हैं और निभाते रहेंगे क्योंकि यही भारतीयों की पहचान है। कई लोग हमारी परंपराओं, हमारी संस्कृति और रीति-रिवाजों पर सवाल खड़े करते हैं कि यह बस हमारा अंधविश्वास है और कुछ नहीं। आइए जानते हैं, भारतीय संस्कृति की 20 ऐसी परंपराओं और रीति-रिवाजों के बारे में जिन पर लोगों का अंधविश्वास है और उनके इस अंधविश्वास के पीछे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से क्या महत्व है।

1. दोनों हाथों को जोड़कर नमस्कार करना

हम भारतीय जब किसी से मिलते हैं तो अभिवादन के स्वरुप उसे हाथ जोड़कर नमस्कार करते हैं। यह किसी भी अपरिचित और मेहमान से परिचय की शुरुआत करने का पहला चरण होता है साथ ही इसका वैज्ञानिक महत्व भी है। जब दोनों हाथों को जोड़कर नमस्कार किया जाता है तो अंगुलियों के टिप्स आपस में जुड़ जाते हैं। यह टिप्स कानों, आंखों और दिमाग के प्रेशर पॉइंट होते हैं। जब दोनों हाथों को जोड़कर नमस्कार किया जाता है तो प्रेशर पॉइंट सक्रिय हो जाते हैं, जिससे आप किसी व्यक्ति को लम्बे समय तक याद रख पाते हैं।

2. महिलाओं द्वारा बिछिया पहनना

बिछिया पैर की अंगूठी होती है। औरतों द्वारा बिछिया को पहनने का वैज्ञानिक महत्व यह है कि इससे खून की दौड़ान विनियमित रहती है। चांदी का बिछिया ध्रुवीय ऊर्जा को अवशोषित करके शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

3. माथे पर तिलक

माथे पर तिलक लगाने का भी अपना महत्व है। आज भी जब कहीं पूजा होती है तो माथे पर तिलक से शुरुआत होती है। यह शरीर को एकाग्र बनाए रखने में मदद करता है। इसके अलावा तिलक शरीर की ऊर्जा को नष्ट होने से बचाता है।

4. नदी में सिक्कों का फेंकना

आपने अक्सर नदियों में लोगों को सिक्के फेंकते देखा होगा। नदी में सिक्के को फेंकना भाग्य के लिए अच्छा माना जाता है। इसके पीछे वैज्ञानिक महत्व यह है कि सिक्के कॉपर के बने होते हैं और जब हम इन्हें नदी में फेंकते हैं तो कई बार हमें नदी के पानी से कॉपर मिलता है। नदी का पानी-पीने के लिए उपयोग में लाया जाता है तो इससे शरीर में कॉपर का संतुलन बना भी रहता है।

5. मंदिरों में घंटी का लटकना

ज्यादातर सभी मंदिरों के द्वार पर घंटी टंगी होती है, जिससे लोग मंदिर में प्रवेश और निकलते समय बजाते हैं। घंटी बजाने का वैज्ञानिक महत्व यह है कि जब भी इसे बजाया जाता है तो इसकी गूँज 7 सेकंड तक रहती है, यही गूँज हमारे शरीर की सात हीलिंग केंद्रों को सक्रिय कर देती हैं। जिससे हमारे दिमाग में आने वाले सभी नकारात्मक विचार खत्म हो जाते हैं।

6. खाने के बाद मीठा खाने की परम्परा

अक्सर लोग खाना खाने के बाद मीठा खाना पसंद करते हैं। मसालेदार और चटपटा भोजन शरीर में पाचक रस और एसिड को सक्रिय करने में मदद करता है, जिससे शरीर में भोजन को पचाने की प्रक्रिया अच्छी तरह से चलती है। इसके बाद मीठा खाने से बनने वाले कार्बोहाइड्रेट पचे हुए भोजन को डाइजेस्ट करने में मदद करते हैं।

7. विवाह में हाथ और पैर में मेहँदी लगाना

ऐसा देखा गया है, लड़के और लड़की की शादी से पहले पैर और हाँथ में मेहँदी की रस्म निभाई जाती निभाई जाती है। कहा जाता है कि मेहँदी लगाने से परेशानियाँ कम हो जाती है। इसलिए शादी के दौरान दूल्हा और दुल्हन के हाथों और पैरों में मेहँदी लगाई जाती है।

8. जमीन पर बैठ के खाना खाने की प्रथा

खाना खाने की सबसे अच्छी विधि बैठ कर खाना खाना होता है। इसके पीछे एक वैज्ञानिक कारण यह है कि जब बैठ कर खाना खाया जाता है तो शरीर शांत रहता है और भोजन पचाने की क्षमता बढ़ती है। इससे मस्तिष्क को संकेत मिलता है कि भोजन पचने के लिए तैयार है।

9. उत्तर की दिशा में सर रखकर ना सोना

हिन्दू धर्म में उत्तर की तरफ सर रखकर सोना अशुभ माना जाता है। इसके पीछे का वैज्ञानिक कारण कहा जाता है कि जब हम उत्तर की तरफ सर रखकर सोते हैं तो पृथ्वी की तरह शरीर में चुंबकीय क्षेत्र होने के कारण यह विषम हो जाता है। इसकी वजह से शरीर में ब्लड प्रेशर, सर दर्द, संज्ञानात्मक तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

10. कान छिदवाना

भारत में कान छेदने की बहुत पुरानी परम्परा रही है। लड़कियां के ही नहीं अपितु कुछ लड़कों के भी कान छेद होते हैं। इसके पीछे यह वैज्ञानिक कारण दिया गया है कि कान छेदने से बोली भाषा में संयम आता है। ऐसा करने से गंदे विचार मन में नहीं आते है।

11. सूर्य नमस्कार करना

जब भी योग की बात आती है तो सूर्य नमस्कार सबसे पहले ध्यान में आता है। योग के रूप में इसके काफी फायदे हैं। सूर्य नमस्कार करने से हमारी आँखें स्वस्थ रहती है। सूर्य नमस्कार हमारे शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है।

12. पुरुषों का चोटी रखना

पुरुषों में मुंडन करने के बाद चोटी रखने का रिवाज है। इस बारें में महान चिकित्सक और आयुर्वेद के ज्ञाता सुश्रुति ऋषि ने कहा है कि इससे सिर के सभी नसों में गठजोड़ बना रहता है और इस गठजोड़ को अधिपति मरमा कहा जाता है।

13. व्रत रखना

भारत में महिलाओं और पुरुषों द्वारा त्यौहार व अन्य मौकों पर व्रत रखने की बहुत पुरानी परम्परा है। इसके पीछे का वैज्ञानिक कारण यह दिया जाता है कि मानव शरीर में 70ल पानी होने के कारण व्रत रखने पर शरीर में विवेक को बनाए रखने की क्षमता आती है। व्रत रखने का एक कारण यह भी होता है कि पाचन तंत्र को कुछ समय के लिए आराम मिलता है।

14. झुककर चरण स्पर्श करना

भारतीय परम्परा में झुककर पैर छूना बड़ों के प्रति सम्मान व्यक्त करने और आशीर्वाद प्राप्त करने का सर्वश्रेष्ठ तरीका माना गया है। इस परंपरा के पीछे का वैज्ञानिक कारण है कि शरीर में मस्तिष्क से लेकर पैरों तक नसें होती हैं। जब किसी के पैर छूते हैं तो शरीर की ऊर्जा शक्ति आपस में जुड़ जाती है, जिसके परिणाम स्वरूप शरीर में ऊर्जा आ जाती है।

15. विवाहित महिलाओं का सिन्दूर लगाना

भारत में महिलाएं शादी के उपरांत माथे के बीच में सिंदूर लगाती हैं, जो उनके श्रंगार का एक हिस्सा होता है। यह विवाह की एक निशानी होती है। सिन्दूर हल्दी-चूने और पारा धातु के मिश्रण से बना होता है इसलिए इसे लगाने से शरीर में ब्लड प्रेशर बना रहता है। सिन्दूर में पारा मिला होने के कारण यह शरीर को दबाव और तनाव से मुक्त रखने में मदद रखता है।

16. पीपल के वृक्ष की पूजा करना

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि पीपल के पेड़ में न तो फल लगते है और न ही फूल, फिर भी हिंदू धर्म में इसे पवित्र माना गया है। लोग पीपल के पेड़ की पूजा भी करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि पीपल ही एकमात्र ऐसा पेड़ है जो दिन के 24 घंटे वायुमंडल में आक्सीजन छोड़ता है। इसलिए किवदंती है कि इस पेड़ के महत्व के कारण हिंदू धर्म में इसे बहुत पवित्र माना गया है, जिसकी वजह से लोग इसकी पूजा करते है।

17. तुलसी के वृक्ष की पूजा

पीपल के अलावा भारत में तुलसी के पेड़ को पूजने की बहुत पुरानी परम्परा रही है। यह महिलाओं द्वारा माँ की तरह पूजा जाता है। वैसे तुलसी एक प्रकार की औषधि है, जिससे कई बीमारियों में एक औषधि के तौर पर लिया जाता है। कहा जाता है, जहाँ तुलसी का पेड़ रहता है, वहाँ की वायु शुद्ध रहती है। तुलसी के पेड़ को घर में रखने से घर में मच्छर और कीड़े मकौड़े नहीं आते हैं।

18. मूर्ति पूजन

हिंदू धर्म में जब भी घर में कोई नई मूर्ति आती है तो सबसे पहले उसका मूर्ति पूजन होता है और उसके बाद उसे स्थापित किया जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि मूर्ति की पूजा करने से प्रार्थना में एकाग्रता आती है। व्यक्ति मूर्ति को साक्षात मानकर भगवान की कल्पना करता है। इससे उसका दिमाग एक अलग ब्रह्माण्ड के बारें में सोचता है। इससे व्यक्ति की सोच विचार और अदृश्य शक्ति में विश्वास करने की क्षमता बढ़ती है।

19. औरतों का चूड़ी पहनना

भारतीय महिलाओं के हाथों में चूड़ी और कंगन आमतौर पर देखा जाता है। इसके पीछे शोधकर्ताओं का मानना है कि कलाई शरीर का वह हिस्सा है, जिससे व्यक्ति की नाड़ी को चेक किया जाता है। इसके अतिरिक्त शरीर के बाहरी स्किन से गुजरने वाली बिजली को चूड़ियों की वजह से जब रास्ता नहीं मिलता है तो यह वापस शरीर में चली जाती है, जिससे शरीर को फायदा होता है।

20. मंदिरों में जाना

मंदिर का वातावरण एक मनोवैज्ञानिक प्रभाव पैदा करता है, जो वांछित उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है। लोगों का मानना है कि मंदिरों में भगवान का वास होता है। यही कारण है कि भगवान अपने भक्तों की खातिर मंदिरों में प्रकट होते हैं। मंदिर में जाने से घंटों और मन्त्रों की ध्वनि से शरीर में तरंगे उत्पन्न होती हैं जो हमारी तंत्रिका तंत्र के भावों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मंदिर जाने से हम सकारात्मक भावों से भर जाते हैं जिसके चलते हम अपने काम को और बेहतर तरीके से कर पाते हैं।

संकलनकर्ता
कृष्ण कुमार मूंधड़ा (बब्बू मूंधड़ा)
भाटापारा-रायपुर

राजयोग शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आरईआरएफ) एवं ब्रह्मा कुमारीज ने चिकित्सा पेशेवरों के लिए आयोजित किया प्रेरणास्पद कार्यक्रम

दिल्ली। ब्रह्मा कुमारीज दिल्ली क्षेत्र और मेडिकल विंग, आरईआरएफ द्वारा रविवार 8 अक्टूबर 2023 को नई दिल्ली के प्रतिष्ठित रेडिसन ब्लू होटल, द्वारका में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के लिए परिवर्तनात्मक कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें एक हजार से भी अधिक दिल्ली एनसीआर से डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ ने उमंग उत्साह से भाग लिया। चिकित्सा के क्षेत्र में प्रसिद्ध व्यक्तियों ने ही कार्यक्रम का संचालन किया।

स्वास्थ्य सेवाओं में स्वयं की देखभाल विश्व कार्यक्रम के अंतर्गत राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शिवानी बहन से स्वयं की देखभाल एवं करुणा विषय पर उपस्थित चिकित्सकों ने लाभ लिया एवं अपने प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए। बीके डॉक्टर मोहित गुप्ता हृदय रोग विशेषज्ञ बीके डॉक्टर मोहित गुप्ता ने विश्वास के जादू एवं विज्ञान विषय पर डॉक्टर को उन्हीं की भाषा में अपने अनुभव सहित अपने विचार साझा किये। वहीं, ब्रह्म कुमारी शिवानी ने हर बार की तरह ज्ञान की गहराई को बड़ी सरलता से समझाते हुए करुणा एवं स्वयं की देखभाल विषय पर अपने आध्यात्मिक सुझावों के साथ इस अवसर को अद्भुत बनाया। उनके व्यापक अनुभव के साथ, उन्होंने चिकित्सा पेशेवरों के लिए आत्म-सेवा के महत्व को बताया। सरकारी अस्पतालों और निजी क्षेत्र के प्रमुख डॉक्टरों सहित स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र से आए पेशेवरों को बहन शिवानी ने कहा कि डॉक्टरों को अपने मरीजों की देखभाल एवं उनके उपचार के साथ स्वयं की देखभाल एवं अपना भी उपचार चाहे वह आध्यात्मिक हो या भावनात्मक हो को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। प्रमुख कार्डियोलॉजिस्ट और जीबी पंत अस्पताल के प्रोफेसर डॉ. मोहित गुप्ता ने अपने अमूल्य ज्ञान और विशेषज्ञता के साथ ही यह भी बताया कि उन्होंने अपनी गंभीर बीमारियों को आध्यात्मिकता और अपने दृढ़ विश्वास के बल पर ठीक किया है। कार्यक्रम में आर्मी अस्पताल (आर और आर) के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अजित नीलकंठन, डायरेक्टर स्टार इमेजिंग के डॉ समीर भाटी और ब्रह्म कुमारीज परिवार की वरिष्ठ अनुभवी राजयोगिनी बहने विशेष रूप से उपस्थिति रहीं। ब्रह्म कुमारीज परिवार के वरिष्ठ सदस्यों में से एक राजयोगिनी बीके गीता दीदी ने अपने विचार भी साझा किए। मेडिकल विंग ब्रह्मा कुमारीज के दिल्ली क्षेत्र समन्वयक राजयोगिनी बीके लक्ष्मी ने प्रेरणादायक कार्यक्रम को आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम की संयोजक ब्रह्माकुमारी कमला रहीं।

'रेल यात्रियों के आरामदायक सफर एवं अधिकाधिक आरक्षित बर्थ की उपलब्धता हेतु अतिरिक्त कोच की व्यवस्था'

'इस वर्ष अप्रैल, 2023 से अभी तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा विभिन्न ट्रेनों में 53 स्थायी एवं 241अस्थायीअतिरिक्त कोच लगाए गए'

'इन अतिरिक्त कोचों से 2.5 लाख से अधिक यात्रियो को मिली कनफर्म बर्थ की सुविधा'

बिलासपुर। भारतीय रेलवे द्वारा रेल यात्रियों को आरक्षित बर्थ/ सीट के साथ आरामदायक यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु लगातार कार्य किए जाते है । इसके लिए त्यौहारों, छुट्टियों एवं अन्य अवसरों जिसके दौरान ट्रेनों में ज्यादा भीड़भाड़ रहती है, ऐसे समय पर ट्रेनों में अतिरिक्त कोचों की सुविधा आदि उपलब्ध कराई जाती है ।

इसी कड़ी में इस वर्ष ग्रीष्मकालीन छुट्टियों, जिसमें लोग देश के अलग-अलग पर्यटन स्थलों पर सैर-सपाटे के लिए जाते है तथा शादी ब्याह के सीजन व त्योहारों के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा अप्रैल' 2023 से सितंबर, 2023 तक कुल 241 अतिरिक्त अस्थायी कोच अलग-अलग ट्रेनों में लगाए गये । इसके साथ ही साथ 34 अलग-अलग ट्रेनों में 53 स्थायी कोच भी लगाए गए है ।

इन सभी कोचों से लगभग 02 लाख 50 हजार से भी अधिक रेल यात्रियों को कनफर्म बर्थ/सीट की सुविधा का लाभ मिला है ।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे निरंतर यात्रियों के आरामदायक यात्रा के लिए प्रतिबद्ध है तथा रेल यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने की दिशा में दक्षिणपूर्व मध्य रेलवे निरन्तरकार्यरतहै ।

सांसद द्वारा दिल्ली के ललित कला सदस्यों का सम्मान

भिलाई। सांसद विजय बघेल ने ललित कला अकादमी, नई दिल्ली से आए कमेटी के सदस्यों का फूलो का हार पहनाकर सम्मान किया। इस दौरान अकादमी के चेयरमैन वी. नागदास, डिप्टी सेक्रेटरी डॉ. रहस मोहन्ती, सुप्रीम कोर्ट के लिगल एडवाइजर सुमन सिंह, असिस्टेंट एडिटर जानी एम.एल. एडिटर वी.एस.आर. कृष्णा तथा भुवनेश्वर के रीजनल सेक्रेटरी रामकृष्ण वेदाला ऊपस्थित थे।

सांसद विजय बघेल ने दिल्ली से आए अतिथियो का स्वागत करते हुए कहा कि भिलाई कलाकारो, साहित्यकारो, खिलाड़ीयो और शैक्षणिक युवाओ की नगरी है। जिन्होने अपनी प्रतिभा का लोहा पूरी दुनिया में मनवाया है। इसके अलावा यह मिनी इंडिया है जहां भारत के हर प्रांत, हर धर्म और हर समाज के लोग रहते हैं। उन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा कला-संस्कृति के क्षेत्र मे किए गए उल्लेखनीय योगदान को याद करते हुए कहा कि अपने स्थापना काल से ही संयंत्र ने इस दिशा मे अभूतपूर्व काम किया है। जिसके परिणामस्वरूप ही भिलाई मे विभिन्न संस्कृतियो का समन्वय दिखाई देता है। ललित कला अकादमी का रीजनल सेन्टर खोलने के लिए भिलाई से महफूज जगह पूरे भारत मे कही नही है। मुलाकात के दौरान चेयरमेन वी नागदास ने कहा कि भिलाई मे रीजनल सेन्टर खोलने का वे पूरा प्रयास कर रहे हैं। अकादमी के डिप्टी सेक्रेटरी डाक्टर रहस मोहंती ने भी भिलाई के लोगो मे कला के प्रति जागरूकता को देखकर अभिभूत होते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को हम सिर्फ जंगल से भरा प्रदेश समझते थे किंतु हमारी धारणा गलत साबित हुई है। यहां के उच्चदर्जे के कलाकारो द्वारा किए गए सम्मान और विश्वस्तरीय कला प्रदर्शनी से वे हतप्रभ हैं। लीगल एडवाइजर ने कहा कि कला के प्रति ऐसा समर्पण और कृष्ण अर्जुन रथ के पास कलाकारो का ओपन इंस्टालेशन बड़े-बड़े शहरोंकी कला प्रदर्शनी को मात देती है। जानी एम.एल. ने जहा भिलाई के कलाकारो की जमकर तारीफ की वहीं वी.एस.आर. कृष्णा तथा रामकृष्ण वेदाला ने केन्द्र सरकार की तरफ से इसमे आने वाली समस्या को दूर करने का सुझाव दिया। इस पर सांसद ने केंद्र सरकार की तरफ से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से केंद्रीय संस्कृति मंत्री से मिलकर इसमे आने वाली अड़चनो को दूर करने की प्रतिबद्धता जताई है। सांसद ने न सिर्फ कमेटी के लोगो को बल्कि छत्तीसगढ़ के समस्त कलाकारो को भरोसा दिलाया है कि भिलाई मे रीजनल सेन्टर जरूर खुलकर रहेगा। चर्चा के दौरान भिलाई के सुप्रसिद्ध मूर्तिकार मोहन बराल, रायपुर के कलाकार सत्तार भाई तथा अंकुश देवांगन उपस्थित थे।

पांच वर्षों में भाटापारा में एक भी विकास के कार्य नहीं हुए

जनता पूछ रहीं है विकास कहां है ?

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। विधानसभा चुनाव एक बार फिर सिर पर आ गया है लेकिन पिछले पांच वर्षो मे विकास के नाम पर क्षेत्र को एक भी बडी उपलब्धी जनता के हित मे प्राप्त नहीं हुई है जिससे जनमानस मे अफसोस जनक वातावरण बना हुआ है क्षेत्र की सबसे बडी मांग पृथक व स्वतंत्र भाटापारा जिला निर्माण की मांग लगातार जारी रहीं लेकिन उक्त मांग को पूर्ण करने की दिशा मे कोई सार्थक पहल नहीं हुई जिससे यह अधूरी रह गई है

वहीं क्षेत्र की दूसरी सबसे बडी समस्या नये चिकित्सालय भवन का निर्माण पर भी बजट स्वीकृति पिछले पांच वर्षो मे नहीं होने से इस बार भी सिविल हास्पिटल भाटापारा को पर्याप्त भवन व्यवस्था नहीं मिल सका है शिक्षा के क्षेत्र मे भाटापारा मे पृथक कन्या महाविद्यालय की 20 वर्ष पुरानी मांग भी अधूरी रही जिससे क्षेत्र के छात्राओं को एक मात्र महाविद्यालय मे स्थानाभाव के चलते प्रवेश नहीं मिलने पर आज भी रायपुर बिलासपुर की ओर जाना पड़ रहा है इसी तरह भाटापारा मे दो दो मुख्यमंत्रियों की घोषणा के बावजूद अपर कलेक्टर का नियमित कार्यालय नहीं मिल पाया है भाजपा शासन काल मे पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंग ने तरेंगा गांव की आम सभा मे भाटापारा मे अपर कलेक्टर का मुख्यालय प्रारंभ करने की घोषणा की गई थी उनकी घोषणा का कार्यालय भवन बनकर तैयार हो गया लेकिन अपर कलेक्टर व उनके मातहत स्टाफ की नियुक्ति नहीं होने से उक्त कार्यालय एक लंबे समय से निर्माण होने के बावजूद खंण्डहर मे तब्दील हो रहा है। सन 2023 मे मौजूदा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कड़ार गांव की सभा मे फिर से भाटापारा मे अपर कलेक्टर कार्यालय प्रारंभ करने की घोषणा पुनरू कर दी लेकिन उक्त घोषणा का क्रियान्वयन व स्टाफ पदस्थ नहीं किये जाने से अपर कलेक्टर का नियमित कार्यालय यहां पर प्रारंभ नहीं हो सका इस बीच चुनाव आचार संहिता लग जाने के बाद स्थिति यथावत बनी हुई है।

कुल मिलाकर भाटापारा के विकास को ग्रहण लग गया है। इसी तरह पिछले पांच वर्षो मे शहर का बेतरतीब फैलाव चारो दिशा मे हुआ है जिसको मददेनजर रख भाटापारा नगर निगम की मांग क्षेत्रिय लोगों ने लगातार की लेकिन शासन स्तर पर यह मांग भी पूरी नहीं हुई जबकि भाटापारा से छोटे छोटे अनेक स्थानो को नियम शिथिल कर नगर निगम बना दिया गया फलस्वरूप नगर निगम जैसे ओहदे से भी भाटापारा जैसा विशाल नगर वंचित रह गया इसी तरह भाटापारा के साथ जो अन्याय शुरू से होते आया है वह क्रम लगातार जारी रहा।

केन्द्रीय स्तर पर भी भाटापारा को विकास की कुछ भी सौगात नहीं मिली मसलन पिछले पांच वर्षो मे भाटापारा जैसे सर्वाधिक राजस्व देने वाले रेल्वे स्टेशन मे एक भी ट्रेनो का स्टापेज नहीं हुआ जो कि शर्मनाक बात है

सन 1975 से 1977 के बीच जिस भाटापारा शाखा नहर के लिये भूमिपूजन किया गया था वह अनेक संघर्ष व झंझावत के बीच ले देकर पूरा हुआ लेकिन शाखा नहर के नाम पर प्रारंभ भाटापारा शाखा नहर का डिवीजन कार्यालय जो कि कालांतर मे काम बंद होने की वजह से केलो परियोजना सक्ती स्थानांतरित कर दिया गया था वह डिवीजन कार्यालय भाटापारा के नाम के अनुरूप आज तक वापस यहां पर नहीं लौट आया है जबकि भाटापारा मे शाखा नहर का डिवीजन कार्यालय प्रारंभ किया जाना जरूरी था वह कार्यालय अभी रायपुर जिले के एक कस्बे मे संचालित हो रहा है फलस्वरूप भाटापारा क्षेत्र मे शाखा नहर के एक बडे केनाल पर फर्सीकरण व मजबूती करण कार्य नहीं हो पाया है जो कि दुर्भाग्यजनक बात है भाटापारा मे समस्याओं का अंबार लगा हुआ है जो कि पिछले पांच वर्षो मे पूरा नही हो सका। बाढ की विभिषिका के कारण भाटापारा बिलासपुर एवं भाटापारा सुहेला मार्ग पर यातायात अनेको बार ठप्प रहा जिसके पीछे एक लंबे समय से चली आ रहीं मांग का पूर्ण न होना मुख्य कारण है मसलन शिवनाथ नदी सेमरिया घाट तथा डिग्गी नाला पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण की मांग भी पूर्ण न होना क्षेत्र की दुर्दशा की कहानी बयान करता है। इसके अलावा केन्द्रीय स्तर पर भी भाटापारा को विकास की कुछ भी सौगात नहीं मिली मसलन पिछले पांच वर्षो मे भाटापारा जैसे सर्वाधिक राजस्व देने वाले रेल्वे स्टेशन मे एक भी ट्रेनो का स्टापेज नहीं हुआ जो कि शर्मनाक बात है इसी तरह भाटापारा मे नवोदय विद्यालय केन्द्रीय विद्यालय डाकघर भवन तथा मेडिकल कालेज की मांग भी पूरी नहीं हुई जिससे नागरिकों मे भारी आक्रोश व्याप्त है।

यातायात पुलिस ने यातायात उल्लंघन करने वालो के विरूद्ध कार्यवाही की

भाटापारा। जिला पुलिस अधीक्षक दीपक झा के सख्त निर्देश के बाद यातायात शाखा भाटापारा के प्रभारी प्रवीण मिंज के नेतृत्व मे दोपहिया वाहन मे तीन सवारी चलने वाले बिना नंबर के वाहन चलाने वाले अवैध रूप से नो पार्किंग मे वाहन पार्क करने वाले बिना कागजात के वाहन चलाने वाले यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले तथा तेज रफ्तार से वाहन चलाते हुये प्रेशर हॉर्न का उपयोग करने वाले जैसे अन्य मामलो मे यातायात शाखा के टीम ने कार्यवाही करते हुये कुल 34 प्रकरण मे 14300 रूपये की राशि समन शुल्क के रूप मे वसूल की है। उक्त कार्यवाही मे आदिनाथ त्रिपाठी, कन्हैया लाल सिदार, धनेश दुबे, महेन्द्र पोर्ते व अगस्त ध्रुव सहित यातायात स्टाफ के लोग शामिल थे।

सीसी रोड का गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं होने पर अधिकारियों ने नाराजगी प्रकट की ठेकेदार को नोटिस

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत सीमेंट क्रांक्रीट सड़क निर्माण मे गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं करने पर कार्यपालन अभियंता ने ठेकेदार को नोटिस जारी किया है। उक्त संबंध मे प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्य नगर पालिका अधिकारी लाल अजय बहादूर सिंग एवं कार्यपालन अभियंता के द्वारा वार्ड क्रमांक 21 मे ओवरब्रीज के नीचे चल रहे सीमेंट क्रांक्रीट सड़क का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि पर्याप्त साईज का मेंटल एवं सीमेंट क्रांक्रीट सड़क मे समय समय पर पानी की तराई व कार्य मे गुणवत्ता जैसे कार्य नहीं हो रहा है जिससे नाराज अधिकारियों ने उक्त कार्य के प्रभारी सब इंजीनियर राकेश सोनी एवं ठेकेदार जसमीत सिंग राणा को नोटिस जारी कर गुणवत्ता विहिन कार्य मे कार्यवाही की चेतावनी दी है अधिकारी द्वय ने कहा है कि शहर के अन्य हिस्सो मे भी चल रहे निर्माण कार्यो का औचक निरीक्षण किया जायेगा। एवं गुणवत्ता मे किसी भी प्रकार के समझौते नहीं किये जायेंगे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : नारायण भूषणिया द्वारा मिशन मिडिया प्रा.लि. रजबंधा मैदान रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कराकर एच.डी.डी./49, फेस-2 मेन रोड, कबीर नगर रायपुर से प्रकाशित, संपादक-नारायण भूषणिया मो.नं. 09300491602, RNI पंजीयन क्रमांक: CHHHIN/2010/34778, Email ID- krantirath.cg@gmail.com, / www.krantirath.in